RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 255 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 2 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

"पौधा तुंहर दुआर": नि:शुल्क पौधा घर पहुंच सेवा का शुभारंभ

रायपुर। पौधा तुंहर दुआर कार्यक्रम के तहत दक्षिण कोण्डागांव वन मंडल अंतर्गत कोण्डागांव नगर पालिका क्षेत्र के समस्त 22 वार्डों हेतु नि:शुल्क पौध वितरण का शुभारंभ किया गया। इसके तहत एक जुलाई से 31 जुलाई तक नि:शुल्क पौधा का वितरण किया जाएगा। वन मंडलाधिकारी दक्षिण कोण्डागांव उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि इस योजना के तहत पौधा प्राप्ति पंजीयन हेतु वन मंडल के दूरभाष क्रमांक मो. 7587014628 में पूर्वान्ह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। इसमें आंवला, मूनगा, नींबू, गंगा इमली, काजू, सीताफल, अमरूद तथा आम के फलदार पौधों का वितरण किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को 5 से अधिक की संख्या में पौधे चाहिए तो वे दक्षिण कोण्डागांव वन मंडल अंतर्गत वन रोपणी कोपाबेड़ा तथा वन रोपणी कुम्हारपारा में संपर्क कर पौधे प्राप्त कर सकते हैं। नगरीय क्षेत्र में किसी व्यक्ति द्वारा 5 पौधे तक की मांग किए जाने पर उन्हें घर पहुंचाकर पौधा प्रदाय किया जाएगा।

इस संबंध में बताया गया कि वन चेतना केन्द्र (आमचो सरगी प्रकृति हर्र) कोण्डागांव के प्रांगण में नि:शुल्क पौधा वितरण केन्द्र की स्थापना की गई है। वहां से आंवला, मूंनगा, नींबू, गंगा इमली, काजू, सीताफल, अमरूद तथा आम प्रजाति के फलदार पौधे नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर पटेल, गितेश गांधी, कपिल टावरी, विकास दुआ, शम्भु यादव, शांति फाउंडेशन के अध्यक्ष यतिन्द्र सलाम आदि उपस्थित थे।

उदयपुर हत्याकांडः छत्तीसगढ़ बंद को सफल बनाने हिन्दू संगठन रहे सक्रिय

व्यापारियों व विभिन्न संगठनों का मिला समर्थन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उदयपुर की घटना को लेकर भाजपा सहित हिन्दू वादी संगठनों के छत्तीसगढ़ बंद के आह्वान का भिलाई दुर्ग में व्यापक असर देखने को मिला। ट्विन सिटी के सभी बाजार सुबह से ही स्वस्फूर्त बंद रहे। बंद को सफल बनाने सुबह से ही बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद, भाजपा सहित श्रीराम जन्मोत्सव समिति के लोग दुकानों को बंद कराने घूमते रहे। खास बात यह है कि इस बार पेट्रोल पंपों को भी बंद कराया गया। इस दौरान दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों को बंद रखा और छत्तीसगढ़ बंद का समर्थन किया। यही नहीं दुर्ग सांसद विजय बघेल ने भी बंद का समर्थन करते हुए इसे सफल बनाने की अपील की है।

गौरतलब रहे कि उदयपुर में नूपुर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन करने पर वहां के एक टेलर कन्हैय्यालाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना को लेकर देशभर में उबाल है। प्रदेश में भी इस घटना के विरोध में शनिवार को छत्तीसगढ़ बंद का ऐलान किया गया। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के साथ ही भाजपा कार्यकर्ता भी बंद के समर्थन में आज खुलकर सामने आए। वहीं दुर्ग भिलाई में श्रीराम जन्मोत्सव समिति ने भी बंद का समर्थन किया है। विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ता बंद के ऐलान व चेंबर ऑफ कामर्स के समर्थन के बाद भी शहर के बाजारों में कई दुकानें खुली मिली। बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता बाइक पर सवार होकर बाजारों व गली मोहल्लों की दुकानों को बंद कराते देखे गए। इस दौरान दुकानदारों से छिटपुट बहस भी होती रही। वहीं शहर के ज्यादातर मार्केट में दुकानें बंद रही। जिला मुख्यालय दुर्ग सहित भिलाई में सुपेला, पावरहाउस, खुर्सीपार और टाउनशिप की सभी मार्केट बंद रही। भिलाई -3 चरोदा, कुम्हारी और जामुल में भी बंद को व्यापारियों ने समर्थन दिया। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई।

बता दें छत्तीसगढ चेंबर ऑफ कामर्स ने भी इस बंद का समर्थन दिया है। चेंबर के समर्थन के कारण ही सभी बाजारों में दुकानें बंद रही। दोपहर दो बजे के बाद बाजारों की दुकानें खुलेंगी। चेंबर ऑफ कामर्स के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि एक दिन पहले चेंबर ने बैठक कर इस संबंध में निर्णय लिया था। शनिवार को तमाम बाजारों में दुकानें दोपहर दो बजे तक बंद रहेंगी। उसके बाद बाजार पहले की तरह खुल जाएंगे।

सुरक्षा के लिए तैनात रही पुलिस

बंद के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस की क्विक एक्शन टीमों को तैनात किया गया। एडिशनल एसपी शहर संजय ध्रुव स्वयं घूम घूम कर शहर का जायजा लेते रहे। सभी सीएसपी और टीआई अपने अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर पल पल की खबर लेते रहे। बंद के दौरान किसी प्रकार का विवाद न हो इसके लिए पुलिस की टीमें बजारों व अन्य जगहों पर तैनात रही है। बंद के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टियां भी लगातार दौरा करती रही।

नक्सलियों को विस्फोटक मुहैया कराने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ नौ लोग गिरफ्तार, सामग्री जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर जिले में पुलिस ने नक्सलियों को विस्फोटक सामग्री पहुंचाने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े पश्चिम बंगाल के एक 51 वर्षीय व्यक्ति सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से विस्फोटकों में प्रयुक्त सामग्री को भी जब्त किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को बस्तर जिले के कोडेनार थाना क्षेत्र के बस्तरनार-काकलूर मार्ग पर उस समय पकड़ा गया जब उग्रवादियों को खेप की आपूर्ति की जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान कोसो उर्फ कोसा कवासी (32), रामेश्वर पुजारी (43), अनंत राम जायसवाल (31), बालसिंह तामू (27), बबलू मरकाम (22), मंगलू राम (35), पश्चिम बंगाल के निवासी कृष्णा प्रसाद साव (51) और बस्तर जिले के निवासी उजोर बेड़ता (25) और मनीराम (30) के रूप में हुई है।

पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादी अपने आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से कोडेनार क्षेत्र में विस्फोटक पदार्थ प्राप्त करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के बाद बस्तरनार-काकलूर मार्ग पर वाहनों की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस दल ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को संदेहास्पद सामान लेनदेन करते देखा और घेराबंदी कर नौ लोगों को पकड़ लिया।

आईजी ने कहा कि उनके पास से एक एसयूवी, एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन के अलावा विस्फोटक सामग्री नौ बूस्टर 83 एमएम, कार्डेक्स वायर दो बंडल, 13 डेटोनेटर, 3.5 मीटर सेफ्टी फ्यूज और 31 डेटोनेटर-असेंबल एक्सेल तार जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

विस्फोटक सामग्री की थी जरूरत

सुंदरराज ने बताया कि जब पकड़े गए लोगों से पूछताछ की गई तब उन्होंने बताया कि बीजापुर में सक्रिय नक्सलियों को सुरक्षा बल के खिलाफ उपयोग करने के लिए विस्फोटक सामग्री की आवश्यकता थी। इस दौरान बीजापुर के जांगला क्षेत्र में सक्रिय माओवादी सदस्यों का संपर्क उजोर बेदता और कृष्णा प्रसाद साव से हुआ। दोनों ने माओवादियों को विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने का वादा किया। जब वह माओवादियों को विस्फोटक सामाग्री दे रहे थे, तब पुलिस दल ने उन्हें पकड़ लिया।

समर्थन मांगने आए यशवंत सिन्हा, बोले- देश को खामोश नहीं जिम्मेदार राष्ट्रपति की जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश को खामोश राष्ट्रपति नहीं, बल्कि ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है, जो अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करे। प्रधानमंत्री को सलाह दें, लेकिन जो कठपुतली हैं वे निश्चित रूप से ऐसा नहीं करेंगे। राष्ट्रपति का पद अत्यंत गरिमा का पद है। अच्छा होता कि इस पद के लिए चुनाव ही न हो। पक्ष-विपक्ष दोनों मिलकर बैठते और सर्वसम्मति से किसी एक व्यक्ति को चुन लिया जाता। ऐसा करने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की बनती है। संविधान में राष्ट्रपति के कुछ कर्तव्य भी निर्धारित हैं। हमने देखा है कि ऐसे भी राष्ट्रपति हुए हैं, जिन्होंने पद की शोभा बढ़ाई है। कभी-कभी खामोश राष्ट्रपति भी आए हैं, जो अपने निर्धारित जिम्मेदारियों को नहीं निभा पाए। उक्त बातें यूपीए के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने कही।

रायपुर के एक होटल में मीडिया से चर्चा करते हुए यशवंत सिन्हा ने कहा कि आज मैं आपके बीच हूं। छत्तीसगढ़ से मेरा विशेष संबंध है। वह संबंध 60 साल पहले का है। मैं यहां भिलाई आया था। यहां मेरी शादी हुई थी, इसलिए मैं छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव महसूस करता हूं। सिन्हा ने कहा कि मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि इतने सारे विपक्षी दलों ने मुझे अपना उम्मीदवार चुना है। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहूंगा कि कोशिश करने में कहीं कमी नहीं होने दूंगा। 27 जून को हमने नामांकन दाखिल किया और 28 से ही निकल पड़े हैं। तब से चल रहे हैं और चलते ही रहेंगे, जब तक कि 18 जुलाई को मत नहीं पड़ जाते। मुझे समर्थन देने वाले दलों का मैं आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा के जो हमारे मित्र हैं, जो पुराने साथी हैं, उन्हें अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए। ये लड़ाई विचारधारा की है। संवैधानिक मूल्यों को बचाने और उसे नष्ट करने वालों के बीच की है।

प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल कभी नहीं सोंचा

ईडी, आईटी, सीबीआई के मुद्दे पर यशवंत सिन्हा ने कहा कि सरकार में रहते हमारे दिल में कभी दूर-दूर तक यह ख्याल भी नहीं आया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफईडी का इस्तेमाल करूं। आज सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का खुला खेल चल रहा है। इससे निकृष्ट काम कोई दूसरा नहीं हो सकता है। कुछ लोग पहले मेरे समर्थन में थे, लेकिन अब नहीं दिखाई दे रहे हैं, शायद उसका कारण भी यही है।

विवादित बयानः नुपुर शर्मा के पोस्ट का समर्थन करने पर कुम्हारी के युवक को धमकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कुम्हारी। नुपुर शर्मा के विवादित बयान की आग ठंडी होने का नाम ही नहीं ले रही है। उदयपुर में नुपुर शर्मा के पोस्ट को सपोर्ट करने पर कन्हैय्या लाल की हत्या कर दी गई। इसे लेकर देश भर में उबाल है। इस बीच दुर्ग जिले के कुम्हारी थाने में एक युवक ने पहुंचकर मोबाइल पर उसे जान से मारने की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है। युवक को यह धमकी उसके द्वारा इंस्टाग्राम पर नुपुर शर्मा के सपोर्ट में पोस्ट करने को लेकर मिली है।

जानकारी के अनुसार कुम्हारी थाना अंतर्गत कैलाश नगर वार्ड 11 निवासी राजा जगत (22) ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने 12 जून को अपने इंस्टाग्राम आईडी से नुपुर शर्मा के विवादित टिप्पणी को सपोर्ट किया था। इसके बाद उसे मोबाइल नंबर 8815912131 से मैसेज आया और उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

मोबाइल पर धमकी मिलने के बाद युवक काफी घबराया हुआ है। राजा जगत ने पुलिस को बताया कि धमकी मिलने के बाद वह काफी दहशत में हैं। जिसके रिप्लाई में मुझे दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा धमकी भरा मैसेज आया जिसमें मुझे जान से मारने की धमकी दी गई। युवक ने बताया कि धमकी देने वाले व्यक्ति का नाम कासिफ है जो कि रायपुर का रहने वाला है। युवक ने पुलिस को बताया कि वह रायपुर के लालगंगा कॉम्प्लेक्स में काम करता है और रोज उसका रायपुर आना जाना लगा रहता है। धमकी मिलने के बाद वह काफी घबराया हुआ है। इधर कुम्हारी पुलिस ने बताया कि युवक की शिकायत पर धारा 507 के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण, 24 घंटे में 129 नए मरीज मिले, एक की मौत, प्रदेश में एक्टिव केस 983

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हर दिन कोरोना के 100 से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। संक्रमितों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को प्रदेश में 129 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 983 पहुंच गई है। कोरोना से रायपुर में एक की मौत भी हुई है। सबसे ज्यादा 258 रायपुर व 193 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए एयरपोर्ट व राज्य की सीमाओं पर कोविड जांच अनिवार्य कर दिया है।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक शुक्रवार को 12 हजार 581 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 129 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 35 मरीज मिले हैं। पिछले 24 घंटे में 78 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। प्रदेश के 3 जिलों गरियाबंद, सुकमा और नारायणपुर में एक भी कोविड मरीज नहीं है। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 1.03त्न है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 38 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 54 हजार 475 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

प्रदेश के इन जिलों में मिले कोरोना के मरीज

पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 17 जिलों में कोरोना के 129 मरीज मिले हैं। रायपुर जिले में 35 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। इसके बाद बलौदाबाजार में 16, दुर्ग में 15, राजनांदगांव में 13, कांकेर में 9, बिलासपुर में 8, मुंगेली में 7, कबीरधाम एवं बेमेतरा में 6-6, धमतरी एवं सरगुजा में 3-3, कोरबा एवं सूरजपुर में 2-2, जांजगीर-चांपा, दंतेवाड़ा, महासमुंद व जशपुर में 1-1 मरीज मिले हैं। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचने सावधानी जरूरी है। कोविड गाइडलाइंस का पालन करें। मास्क का उपयोग करें। लक्षण होने पर टेस्ट जरूर करा लें।

घोड़े की आंखों पर पट्टी क्यों?

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

गणित और विज्ञान पढ़ने वाले मेधावी भी अब हिस्ट्री-फीवर की चपेट में हैं। रह-रहकर वे इतिहास की बातें करने लगते हैं। उनका इतिहास ज्ञान भी एकदम चोखा प्रतीत होता है। इस तरह की बहस कभी कम्युनिस्ट विद्यार्थी किया करते थे। उनके पास तमाम उदाहरण होते थे। इतिहास के पन्नों में गुम हो चुकी घटनाओं का वर्णन वे इस बारीकी से करते थे मानो चश्मदीद गवाह रहे हों। इतिहास के विद्यार्थी जहां एक कालखंड की सभी घटनाओं को पढ़ते हैं वहीं नई पौध को घटनाएं चुन-चुन कर पढ़ाई जाती हैं। इतिहास का विद्यार्थी जहां घटनाओं को तटस्थ भाव से पढ़ता-समझता है वहीं एक खास विचारधारा के लोग इतिहास की चुनी हुई घटनाओं को आगे रखकर आक्रोश पैदा करते हैं। उदयपुर की घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। इसे योजनाबद्ध तरीके से आक्रोश को हवा देने वालों को सबक के रूप में देखा जाना चाहिए। आक्रोश के चलते कैसी-कैसी घटनाएं हो सकती हैं, इसे समझने के लिए दृष्टिकोण को थोड़ा चौड़ा करना होगा। कांकेर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला। वाराणसी में एक महिला डॉक्टर का सिर उसके देवर ने हथौड़ी मारकर खोल दिया। थोड़े दिन पहले एक व्यक्ति ने अपने सगे भाई-भाभी की पीट-पीट कर हत्या कर दी। इस तरह की सैकड़ों घटनाएं रोज घटती हैं। इनमें से अधिकांश घरों में होती है। एक ही बाप की औलादें आपस में खून बहाती हैं। पर वहां ऐसा कोई एंगल नहीं होता जिसका राजनीतिक उपयोग किया जा सके। वोटों की राजनीति के लिए ध्रुवीकरण जरूरी है। इसलिए चुन-चुन कर ऐसी घटनाओं को हवा दी जाती है जिससे समाज का ध्रुवीकरण हो। बचपन में जब पहली बार तांगा देखा था तो पिता से एक सवाल किया था। घोड़ों की आंखों पर पट्टी क्यों बंधी होती है? बड़ा सरल सा जवाब मिला था ङ्क घोड़े की आंखें उभरी होती हैं जिनमें 180 अंश तक की दृष्टि होती है। पट्टी न लगी हो तो घोड़े का ध्यान बंट सकता है। फिर वह अपनी पूरी शक्ति को एक ही दिशा में नहीं लगा पाता और तांगा चलाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आंखों पर ऐसी पट्टी बांधी जाती है कि वह केवल सामने देख सके। राजनीति की गाड़ी का भी वही हाल है। आंखों पर घुड़-पट्टी बांध दी गई है। केवल उतना ही दिखता है जितना दिखाया जाता है। पूरा इतिहास पढ़ने, मानव स्वभाव या आक्रोश के मनोविज्ञान को समझने की फुर्सत किसे है? आक्रोशित व्यक्ति वाही-तबाही बकता है। सही-गलत की बहस घर के ड्राइंग रूम में होती है, सगे भाइयों में सिर फुटोव्वल हो जाती है। समाज दरक रहा है, सर्वोच्च न्यायालय का परेशान होना तो बनता ही है।

लापता व्यवसायी का पांचवें दिन भी सुराग नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

कुम्हारी । चार दिनों से लापता हुए युवा कपड़ा व्यवसायी के बारे में पुलिस को अब तक कोई भी सुराग हाथ नहीं लग पाया है। मामले में पुलिस को नदी किनारे उसकी बाइक भी बरामद हो गई है। परिजनों की शिकायत पर गुमशुगदी का अपराध कायम कर जांच में लिया है। 28 जून मंगलवार से लापता हुए 27 वर्षीय व्यवसायी जय कुमार साहू का कुम्हारी स्थित जय कलेक्शन नामक कपड़े की दुकान है। जिसे बंद कर जय 28 जून को चंदनीडीह स्थित निवास के लिए निकला था। मगर देर रात घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने आसपास खोजबीन शुरु किया। लेकिन कोई जानकारी जय के बारे में नहीं मिल पाई है। घटना के अगले दिन जय की बाइक सीजी 04 एनएन 1907 और मोबाइल खारुन नदी के पुल के नीचे पुलिस ने बरामद किया है। अनहोनी की आशंका से पुलिस ने गोताखोरों की मद 30 जून को एसडीआरएफ की टीम ने नदी में खोजबीन भी किया लेकिन कोई सफलता हासिल नहीं हो पाई।

परिजनों के मुताबिक जय कुमार का ज्यादा संपर्क भी नहीं था। इसके अलावा उसके गिने चुने ही दोस्त है। घटना के दिन भी रोज की भांति सुबह 9 बजे दुकान खोलने पहुंचा और रात 9 बजे बन्द कर घर लौट रहा था। पुलिस ने कुम्हारी टोल प्लाजा के सीसी टीवी को चेक करने पपर फुटेज में 28 जून रात 9.17 बजे टोल प्लाजा पार करते दिख रहा है। घटना को लेकर सीएसपी विश्वास चंद्राकर ने बताया की जय के लापता मामले में बारिकी से हर पहलूओं को जांच किया जा रहा है। सीसी कैमरों के फूटेज को भी खंगाला जा रहा है।

संपादकीय

फटकार में सलाह

नूपुर शर्मा पर देश के सर्वोच्च न्यायालय की दोटूक राय उल्लेखनीय और अनुकरणीय है। इस राय या फटकार की रोशनी में ही आगे की कार्यवाही सरकारों को करनी चाहिए। किसी भी विवादित या हिंसा के लिए उकसाने वाली टिप्पणी पर तत्काल कार्रवाई से ही गलतबयानी के मजबूत होते चलन पर लगाम लगेगी। सर्वोच्च न्यायालय ने साफइशारा किया है कि नूपुर को टीवी पर देश से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए और उनके बयान के कारण ही देश में आग लगी है। इतना ही नहीं, अदालत ने इशारों में ही यह भी मान लिया कि उदयपुर की निर्मम घटना के लिए भी नूपुर का बयान जिम्मेदार है। यह भी सवाल खड़ा हो गया कि आखिर उनके खिलाफ इतनी शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उनके खिलाफदेश भर में मामले दर्ज हो रहे हैं, तो उनकी कोशिश है कि सारे मामले एक ही जगह कर दिए जाएं, ताकि एक ही जगह मुकदमा चले, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को एक तरह से वापस कर दिया, इससे न्यायालय की नाराजगी के स्तर को समझा जा सकता है। अब नूपुर को उच्च न्यायालय में जाना पड़ेगा। शायद वहां उन्हें राहत मिल जाए, लेकिन उनकी परेशानियां अभी कम नहीं होने वाली। सर्वोच्च न्यायालय की मंशा शायद यह है कि आरोपी पूरी स्पष्टता के साथ बिना शर्त माफी मांगें। देश से माफी मांगें, क्योंकि उनके बयान से देश का भी अपमान हुआ है और न केवल लोगों को परेशानी हुई है, बल्कि एक जान भी चली गई है। अब कानून व्यवस्था संभालने वालों को भी सावधान हो जाना चाहिए। माहौल सुधारने के लिए सभी को सक्रिय हो जाना चाहिए। अगर ऐसा लगता है कि इसमें जांच की जरूरत है, अगर बहस की तह में जाना है, अगर यह देखना है कि किसने किसको उकसाया, किसने ऐसी दुखद चर्चा शुरू की, तो संबंधित एजेंसियों को त्वरित ढंग से काम करना होगा। सांप्रदायिकता को कभी तार्किक नहीं ठहराया जा सकता और देर सबेर हमें देखना ही होगा कि कौन सांप्रदायिकता फैला रहा है, कौन समाज में कट्टरता या हिंसा को बढ़ावा दे रहा है।

> “ अभी भी ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जिन्हें देश और उसकी व्यवस्था पर सोलह आना विश्वास है, लेकिन जिनका विश्वास हिल गया है या जो कानून से खिलवाड़ करना चाहते हैं, उन तक कानून का हाथ पहुंचना चाहिए। देश में पर्याप्त कानून हैं, जिनसे सांप्रदायिकता या सांप्रदायिक टिप्पणियों को रोका जा सकता है। ऐसी टिप्पणियों से देश आगे नहीं बढ़ता, हमें देश को आगे बढ़ाने वाली बहसों की जरूरत है, इसके लिए सबको मिलकर अनुकूल माहौल बनाना होगा।

हालांकि, अदालत के स्तर पर भी सावधानी से आगे बढ़ना होगा। ध्यान रहे, सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद न्यायालय में एक याचिका दायर हुई है, जिसमें न्यायालय में सुनवाई के दौरान नूपुर शर्मा के लिए की गई टिप्पणी को वापस लेने की मांग की गई है। बताया गया है कि नूपुर को जान का खतरा है। इसमें कोई शक नहीं, इस खतरे की पड़ताल होनी चाहिए, नूपुर की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि कानून तेजी से अपना काम करे, न्याय होता दिखे, ताकि कोई कानून में हाथ में लेने की हिमाकत न करे। क्या सरकारों की ओर से भी लोगों के बीच यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि कानून हाथ में लेने वालों की खैर नहीं? लोग अगर कानून हाथ में ले रहे हैं, तो इसका प्रत्यक्ष या परोक्ष संदेश यही है कि उनका विश्वास कम हो रहा है। अभी भी ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जिन्हें देश और उसकी व्यवस्था पर सोलह आना विश्वास है, लेकिन जिनका विश्वास हिल गया है या जो कानून से खिलवाड़ करना चाहते हैं, उन तक कानून का हाथ पहुंचना चाहिए। देश में पर्याप्त कानून हैं, जिनसे सांप्रदायिकता या सांप्रदायिक टिप्पणियों को रोका जा सकता है। ऐसी टिप्पणियों से देश आगे नहीं बढ़ता, हमें देश को आगे बढ़ाने वाली बहसों की जरूरत है, इसके लिए सबको मिलकर अनुकूल माहौल बनाना होगा।

श्रीलंका की लाचारी

श्रीलंका की स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले दिनों अपनी लाचारी जताई। मुमकिन है कि यह उनका सियासी दांव हो, लेकिन उनके बयान ने देश को और भयभीत कर दिया है। विक्रिमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका की स्थिति उससे कहीं ज्यादा गंभीर है, जितना आम तौर पर दुनिया को मालूम हो सका है। उनके मुताबिक श्रीलंका में समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बने सवा महीना गुजर चुका है। जाहिर है, देश के बेसब्र लोग उनसे जवाब मांग रहे हैँ। तो ये जवाब उन्होंन इस रूप में दिया। उन्होंने रणनीति अपनाई कि अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय लोगों की अपेक्षाएं गिरा दी जाएं, , ताकि दिक्कतों को दूर कर पाने की उनकी नाकामी पर लोग सवाल खड़े ना करेँ। हकीकत यही है कि बीते सवा महीने में भी स्थिति में तनिक भी सुधार नहीं हुआ है।

दरअसल, आर्थिक संकट का खराब असर अब मध्य वर्ग पर भी दिखने लगा है। गरीब तबकों के भुखमरी का शिकार होने की खबरें पहले से आ रही थीँ। अब आंच मध्य वर्ग तक पहुंच गई है। खुद श्रीलंका के विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्य वर्ग को इस समय ऐसा धक्का लगा है, जैसा पिछले तीन दशक में कभी नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका की दो करोड़ 20 लाख आबादी का 15 से 20 फीसदी हिस्सा मध्य वर्ग में शामिल माना जाता है। अभी हाल तक इस तबके की जिंदगी आराम से कट रही थी। लेकिन अब उसे इस बात की भी चिंता करनी पड़ रही है कि रोज तीन बार भोजन का कैसे इंतजाम किया जाए। अगर मध्य वर्ग को इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है, तो कल्पना की जा सकती है कि कमजोर तबकों की हालत कितनी खराब होगी। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर 57 फीसदी तक पहुंच चुकी है। जरूरी चीजों का देश में अभाव है। खास कर पेट्रोलियम की कमी से सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त है। और इसके बीच प्रधानमंत्री खुद को लाचार बता रहे हैं। तो देश में लाचारी का कैसा भाव बना होगा, समझा जा सकता है।

> “ दरअसल गठबंधन की राजनीति और कुर्सी के खेल में ये रवायत नई नहीं है। शिवसेना ने फडनवीस से अपनी नाराज़गी की वजह से बेहद भारी मन से भाजपा का 30 साल पुराना साथ छोड़ा था, लेकिन देर-सवेर उसे वैचारिक रूप से सबसे करीब भाजपा के साथ आना ही था। रास्ते का रोड़ा सिर्फऔर सिर्फफडनवीस रहे और उनका अहंकार रहा...

सियासी ड्रामा: हारकर भी जीत गए उद्धव

अतुल सिन्हा

सियासत और कुर्सी का खेल भी बेहद दिलचस्प होता है। यहां जो दिखता है वह होता नहीं है और जो होता है वह दिखता नहीं है। महाराष्ट्र में भले ही इसे भाजपा का खेल माना जा रहा हो, लेकिन इस पूरे ड्रामे की स्क्रिप्ट कहीं न कहीं शिवसेना और उद्धव ठाकरे ने ही लिखी है। एकनाथ शिंदे को अपनी जगह कुर्सी पर बिठाकर ठाकरे ने शरद पवार जैसे सियासी दिग्गज को भी चित्त कर दिया और शिवसेना को अपने स्वाभाविक दोस्त भाजपा के साथ वापस पहुंचा दिया।

इस पूरे ड्रामे में देवेंद्र फडनवीस जितना खुश हो रहे थे, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने फिलहाल उन्हें सब्र करने के लिए मजबूर कर दिया है। याद कीजिए आज से ढाई साल पहले महाराष्ट्र चुनाव नतीजे आने के बाद किस तरह मुख्यमंत्री पद शिवसेना को दिलाने के लिए चौसर बिछाई गई और अजीत पवार की कथित बगावत के बाद किस तरह फडनवीस फिर से मुख्यमंत्री बनकर भी पांच दिनों में ही कुर्सी छोड़ने को मजबूर हो गए। उनकी जिद की वजह से शिवसेना ने अपनी स्वाभाविक हमराही भाजपा को छोड़कर एनसीपी और कांग्रेस का दामन थाम लिया था। पिछली फडनवीस सरकार में रहते हुए शिवसेना कैसे फडनवीस के खिलाफ लगातार मोर्चा खोलती रही थी और चुनाव से पहले ही अकेले लड़ने की धमकी दे चुकी थी, बल्कि गोवा में अकेले लड़ भी चुकी थी।

गोवा में 2017 में शिवसेना के अलग लड़ने और करारी हार का हवाला देते हुए अमित शाह ने आखिरी वक्त में महाराष्ट्र में शिवसेना को साथ लड़ने और गठबंधन न तोड़ने के लिए मना लिया था। शर्त यही थी कि मुख्यमंत्री शिवसेना का होगा। लेकिन नतीजे आने के बाद हालात बदल गए। भाजपा संख्या के लिहाज़ से सबसे बड़ी पार्टी रही और देवेंद्र फडनवीस ये मानने को कतई तैयार नहीं हुए कि मुख्यमंत्री उनकी जगह शिवसेना का बन जाए।

भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व असमंजस में रहा और आखिरकार पांच ही दिन बाद फडनवीस को हटाकर शिवसेना के सीएम के नाम पर उद्धव ठाकरे ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र विकास आघाड़ी (एमवीए) की सरकार बना ली। इस अघोषित शर्त पर कि उद्धव ढाई साल के लिए सीएम बनेंगे और उसके बाद एनसीपी का कोई नेता ये जिम्मेदारी संभालेगा। यानी ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला तय हुआ। हालांकि जब मौजूदा संकट गहराने लगा तो शरद पवार ने ऐसे किसी फॉर्मूले से इनकार कर दिया।

दरअसल गठबंधन की राजनीति और कुर्सी के खेल में ये रवायत नई नहीं है। शिवसेना ने फडनवीस से अपनी नाराज़गी की वजह से बेहद भारी मन से भाजपा का 30 साल पुराना साथ छोड़ा था, लेकिन देर-सवेर उसे वैचारिक रूप से सबसे करीब भाजपा के साथ आना ही था। रास्ते का रोड़ा सिर्फऔर सिर्फफडनवीस रहे और उनका अहंकार रहा। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व शुरू से ही इस बात को अच्छी तरह जानता था और सही वक्त का इंतज़ार कर रहा था। ऐसे में एकनाथ शिंदे को इस पूरे खेल का मोहरा बनाया गया, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। इन ढाई सालों में फडनवीस और उद्धव की दूरियां और बढ़ीं, लेकिन उद्धव ठाकरे ने कभी भी आक्रामक तरीके से मोदी सरकार या भाजपा का विरोध नहीं किया। मुख्यमंत्री बनने की उनकी ख्वाहिश भी पूरी हो गई और अपने आदमी को ही प्रदेश की बागडोर सौंपने में वो कामयाब भी हो गए।

गौर कीजिए। एकनाथ शिंदे ने कभी खुलकर उद्धव ठाकरे का विरोध नहीं किया। वे आखिरी वक्त तक ठाकरे के सबसे करीब और प्रमुख मंत्रियों में रहे। यह ड्रामा शुरू भी तब हुआ जब ठाकरे ने अपने ढाई साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। अगली दावेदारी के लिए एनसीपी के साथ विवाद शुरू हो, इससे पहले शिवसेना के तमाम विधायक इस रणनीति के तहत शिंदे के साथ अलग होने का स्वांग करते रहे मानो वे पार्टी छोड़ रहे हों या भाजपा में जा रहे हों। इसे लेकर तकनीकी बहसें चलती रहीं, शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत से अनर्गल बयान दिलवाए जाते रहे ताकि मीडिया इस तल्खी को और बढ़ाती हुई दिखे। अलग गुट या असली शिवसेना कौन जैसे मुद्दे उठाए जाते रहे, दावे किए जाते रहे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक खींचा गया, ताकि मामला लंबा चले और इस बीच मकसद हासिल कर लिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता तो उद्धव इस पूरे ड्रामे की शुरुआत में ही बगैर इस्तीफा दिए मुख्यमंत्री आवास क्यों छोड़ देते, वापस मातोश्री क्यों चले जाते, क्यों ये लगातार कहते कि सारे विधायक उनसे संपर्क में हैं और क्यों कभी खुलकर एकनाथ शिंदे के बारे में कोई भी नकारात्मक बयान नहीं देते।

ठाकरे आखिरी वक्त तक शिंदे की तारीफकरते रहे और भरोसा जताते रहे कि वे लौट आएंगे। बयानबाजी के मोर्चे पर हमेशा से बड़बोले रहे संजय राउत को ही रखा गया। उद्धव ठाकरे एनसीपी और कांग्रेस का इस्तेमाल जितना करना था, कर चुके थे और अब महाराष्ट्र में उन्हें अपने स्वाभाविक सहयोगी के साथ वापस जाना था। साथ ही फडनवीस को भी उनकी जगह दिखानी थी, इसमें वे कामयाब हो गए। जाहिर सी बात है कि देश में लगातार मजबूत होती भाजपा और मोदी को वे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं कर सकते और दो साल बाद महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव को लेकर भी उन्हें जमीन तैयार करनी है, ऐसे में ये उनकी दूरगामी रणनीति का हिस्सा हो सकता है कि वह फिर से शिवसेना और भाजपा को साथ ले आएं।

बेशक इस खेल में एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी उद्धव को समझ नहीं सके। अपने पिता बाला साहेब ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उद्धव ठाकरे ने अब खुद को भी किंगमेकर की तरह स्थापित करने की रणनीति अपनाई है। अब उन्हें अपने से ज्यादा अपने बेटे आदित्य ठाकरे का भविष्य देखना है। जाहिर है आने वाले वक्त में वो आदित्य को प्रदेश के मुखिया के तौर पर उभारने की कोशिश करेंगे और खुद एक किंगमेकर की तरह सियासी शतरंज के मोहरे चलते रहेंगे।

जब अर्थव्यवस्था में आय घटी और मांग भी कम हुई

हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू

गरीबी पर एसबीआई रिसर्च ने एक नया अनुमान जारी किया है। इसमें 2020-21 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के उपभोग संबंधी आंकड़ों के आधार पर बताया गया है कि अपने देश में गरीबी 2011-12 की 21.9 फीसदी (अंतिम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ा) की तुलना में 2020-21 में घटकर 17.9 प्रतिशत हो गई है। इस अनुमान के मुताबिक, 2012 से 2021 के बीच हर साल 27.5 लाख आबादी गरीबी रेखा से ऊपर उठी, जबकि 2004-05 और 2011-12 के बीच यह संख्या दो करोड़ सालाना थी। हालांकि, नए अनुमान को मिल रही सराहना के बावजूद इसमें कई किंतु-परंतु हैं।

बेशक इस सवाल का ठीक-ठीक जवाब कि गरीबी की असल स्थिति क्या है, तभी मिल सकेगा, जब मौजूदा उपभोग सर्वेक्षण का नतीजा सार्वजनिक होगा, लेकिन कई विश्लेषकों ने पिछले एक दशक में गरीबी में कमी पर काफी कुछ बताया है। हालांकि, बिना किसी जांच-पड़ताल के भी हम आसानी से यह अनुभव कर सकते हैं कि निम्न आय-वर्ग के लोगों की आर्थिक हालत खराब हुई है। 2016-17 की आर्थिक सुस्ती के बाद यह विशेषतौर पर जाहिर हुआ है।

महामारी ने तो सिर्फ इस परेशानी को बढ़ाया है। आंकड़े ही इसकी पुष्टि करते हैं, जो बताते हैं कि 2018-19 और 2021-22 के बीच प्रति व्यक्ति आय में 0.2 फीसदी सालाना की गिरावट थी। पीएलएफएस के निष्कर्षों से भी यह पता चलता है, जिसमें 2017-18 के बाद से खपत और आय के अनुमान बताए गए हैं।

पीएलएफएस सर्वे में प्रति व्यक्ति वास्तविक आय भी 2019-19 और 2020-21 के बीच हर साल 1.1 फीसदी की गिरावट बताती है। इसमें यह भी अनुमान लगाया गया है कि यह गिरावट मुख्य रूप से शहरी प्रति व्यक्ति आय में कमजोरी के कारण थी, जो इस समयावधि में सालाना 4.2 प्रतिशत कम हो गई। हालांकि, इस दरम्यान प्रति व्यक्ति ग्रामीण आय 2.7 फीसदी प्रति वर्ष की दर से बढ़ी। इसी तरह, पीएलएफएस डाटा से खपत-खर्च का अनुमान देखा जाए, तो यह बताता है कि 2018-19 और 2020-21 के बीच प्रति व्यक्ति मासिक खपत में 0.12 प्रतिशत की गिरावट हुई है। इसमें गिरावट फिर से शहरी क्षेत्रों में हुई, जो चार प्रतिशत सालाना थी, जबकि ग्रामीण भारत में प्रति व्यक्ति खपत 3.7 फीसदी की दर से बढ़ी। पीएलएफएस आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि भारत की जनसंख्या का वह अनुपात, जिसकी प्रति व्यक्ति आमदनी इतनी नहीं कि उससे खपत खर्च पूरी हो सके, 2018-19 में 26 फीसदी थी, जो 2020-21 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई।

शहरी आय और खपत में गिरावट अर्थव्यवस्था के उबरने संबंधी दावों की कलई खोलती है। भले ही यह सच है कि शहरी क्षेत्र, सेवाएं और अनौपचारिक क्षेत्र खासतौर से कोविड से बुरी तरह प्रभावित थे, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों ने अच्छा किया, क्योंकि कृषि क्षेत्र ने उसे थामे रखा। हालांकि, गांवों में भी पिछले पांच साल में मजदूरी करने वाले श्रमिकों को नुकसान हुआ है, और वास्तविक मजदूरी में गिरावट दिख रही है। अप्रैल, 2022 तक के इसके आंकड़े बताते हैं कि कृषि और गैर-कृषि, दोनों मजदूरी में पिछले वर्ष गिरावट आई है, जिसमें कृषि मजदूरी में वार्षिक दो फीसदी और गैर-कृषि मजदूरी में 3.8 प्रतिशत की कमी देखी गई है। पिछले पांच वर्षों में गैर-कृषि वास्तविक मजदूरी में एक फीसदी की गिरावट आई है, जबकि कृषि मजदूरी स्थिर (0.05 प्रतिशत सालाना की वृद्धि) रही है।

जाहिर है, पिछले एक दशक में भारत में गरीबी कम करने की चाल में आई गिरावट चिंताजनक है। मगर चिंता की बात यह भी है कि शहरी आय में तेज कमी हुई है, जिसकी उपयोगिता अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए मांग बढ़ाने में है। भले ही यह असमानता को कम करने में मददगार साबित हो, लेकिन इससे आर्थिक विकास को बनाए रखने में परेशानी भी पैदा हो सकती है। साफ है, गरीबी पर स्पष्टता तब तक असंभव जान पड़ती है, जब तक कि हमारे पास हाल में किए गए किसी सर्वेक्षण में जुटाए गए उपभोग व्यय के सटीक आंकड़ेन हों। गरीबी की बहस के बावजूद इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

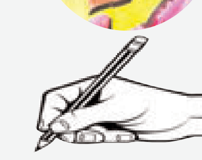

जमी से आसमां तक, प्यार के फूल महक रहें, नजर उठाकर तो देखो तुम्हीं से बात कर रहें।

-अंजली जैन
7024460938

अमेरिका में गर्भपात पर हंगामा

वेद प्रताप वैदिक

अमेरिका में इधर दो बड़े फैसलों ने हड़कंप मचा रखा है। एक तो बंदूक रखने पर कुछ नई पाबंदियों के कारण और दूसरा गर्भपात पर प्रतिबंध के कारण। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के इन दोनों फैसलों को लेकर वहां कई प्रांतों में प्रदर्शन हो रहे हैं और उनका डटकर विरोध या समर्थन हो रहा है। बंदूक पर प्रतिबंधों का उतना विरोध नहीं हो रहा है, जितना गर्भपात पर प्रतिबंध का हो रहा है।

1973 में गर्भपात की अनुमति का जो फैसला अमेरिका सर्वोच्च न्यायालय ने दिया था, उसे सर्वोच्च न्यायालय ने उलट दिया है। 6 और 3 जजों की इस फैसले के पीछे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त रूढ़िवादी जजों का बहुमत में होना है। अब अमेरिका में जो भी राज्य रूढ़िवादी या रिपब्लिकन या ट्रंप-समर्थक हैं, वे इस कानून को तुरंत लागू कर देंगे।

इसका नतीजा यह होगा कि महिलाओं को अपने शरीर के बारे में ही कोई मौलिक अधिकार नहीं होगा। लगभग एक दर्जन राज्यों ने गर्भपात पर प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। कोई भी महिला 15 हफ्तों से ज्यादा के गर्भ को नहीं गिरवा सकती है। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो भयंकर बताया ही है, सारे अमेरिका में इसके विरुद्ध विक्षोभ फैल गया है। यूरोपीय राष्ट्रों के प्रमुख नेताओं ने इस फैसले की कड़ी निंदा की है। अमेरिका की नामी-गिरामी कंपनियों ने उनके यहां कार्यरत महिलाओं से कहा है कि वे गर्भपात के लिए जब भी किसी अन्य अमेरिकी राज्य में जाना चाहें, उन्हें उसकी पूर्ण सुविधाएं दी जाएंगी। अमेरिका के 13 राज्यों में गर्भपात की अनुमति आज भी है। अमेरिका में संघीय व्यवस्था है। इसीलिए उसके राज्य केंद्रीय कानून को मानने या न मानने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन अमेरिका के केथोलिक संप्रदाय के पादरी इस गर्भपात पर प्रतिबंध का स्वागत कर रहे हैं। वैसे भी आजकल यूरोप और अमेरिका में स्त्री-पुरुषों के बीच अवैध शारीरिक संबंधों का चलन इतना बढ़ गया है कि गर्भपात की सुविधा के बिना उनका जीना दूभर हो सकता है। इसके अलावा गर्भपात की सुविधा की मांग इसलिए भी बढ़ गई है कि चोरी-छिपे गर्भपात करवाने पर गर्भवती महिलाओं की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते हैं, जिनमें 37000 महिलाओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है।

अब गर्भपात पर प्रतिबंध लगने से इस संख्या में वृद्धि ही होगी। यूरोप के कई देश गर्भपात के अधिकार को कानूनी रूप देने के लिए तत्पर हो रहे हैं। भारत में 24 हफ्ते या उसके भी बाद के गर्भ को गिराने की कानूनी अनुमति है बशर्ते कि गर्भवती के स्वास्थ्य के लिए वह जरुरी हो। भारतीय कानून अधिक व्यावहारिक है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

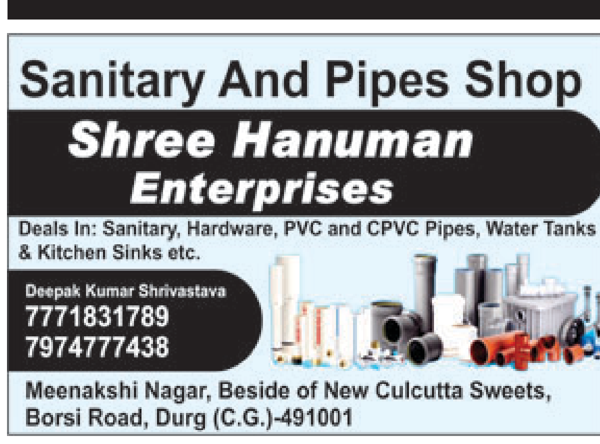

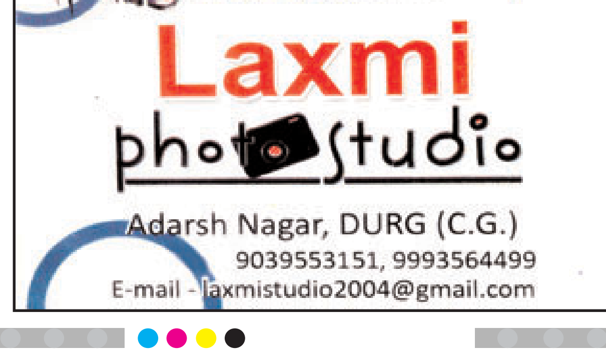

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

युवाओं ने लिया भिलाई-चरोदा में हरियाली बिखेरने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई–3। महापौर निर्मल कोसरे के जन्मदिन 3 जुलाई को यादगार बनाने कांग्रेस के युवाओं ने तैयारी शुरू कर दी है। युवाओं ने इस दिन भिलाई ङ्क चरोदा नगर निगम क्षेत्र में हरियाली बिखेरने का संकल्प लेकर 11 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है। शुक्रवार को भिलाई–3 स्थित मुख्यमंत्री केम्प कार्यालय से पौधों का वितरण शुरू कर दिया गया है।

महापौर निर्मल कोसरे 3 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाएंगे। महापौर बनने के बाद यह उनका पहला जन्मदिन है। लिहाजा समर्थक और भिलाई ङ्क चरोदा के कांग्रेस जनों ने महापौर के जन्मदिन को खास बनाने 11 हजार वृक्षारोपण का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखा जा रहा है। इस अभियान से आम नागरिकों के साथ साथ व्यापारी, मीडिया, सामाजिक संगठन, स्कूल, कॉलेज, पुलिस थाना, आंगनबाड़ी केंद्र आदि को प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की सोच के साथ इस अभियान को सफल बनाने कांग्रेस के कार्यकर्ता घर घर, दुकानों और सरकारी व निजी संस्थानों सहित विभिन्न संगठनों को पौधा वितरण कर रहे हैं। इसकी शुरुआत आज मुख्यमंत्री केम्प कार्यालय में महापौर निर्मल कोसरे की मौजूदगी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल, ओएसडी आशीष वर्मा, मनीष बंछोर एवं मुख्यमंत्री के निज सचिव के. के. चन्द्रवंशी को पौधे की थैली भेंटकर किया गया। इस तरह 11 हजार पौधों का वितरण भिलाई ङ्क चरोदा के पूरे 40 वार्ड में किया जा रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनोज मढ़रिया, महामंत्री पप्पू चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य मोहन साहू, एस. वेंकट रमना, एम. जॉनी, पार्षद टेनेन्द्र ठाकरे, बीएन राजू, युवा कांग्रेस नेता असफाक अहमद, अकरम हामिद, इन्द्रजीत यादव, युवराज कश्यप, अभिनव गौतम आदि उपस्थित थे।

पौधे के साथ वर्मी खाद और अपील पत्र

युवा कांग्रेस नेता असफाक अहमद ने बताया कि महापौर निर्मल कोसरे के जन्मदिन 3 जुलाई को भिलाई ङ्क चरोदा में 11 हजार फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया जाना है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और महापौर की तस्वीर वाली थैली में एक पौधा, महिला स्व सहायता समूहों के द्वारा निर्मित वर्मी खाद के सौ ग्राम मात्रा का पैकेट और अपील पत्र रखा गया है। इस थैली को निगम क्षेत्र के प्रत्येक घर और दुकानों के साथ साथ स्कूल, कॉलेज, थाना, बैंक, तहसील कार्यालय सहित अन्य सरकारी एवं निजी कार्यालयों में वितरित किया जा रहा है।

उड़ान-डेयर टू ड्रीम में स्पर्श में मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दीपक वर्मा का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में जी मीडिया समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'उड़ान–डेयर टू ड्रीम' में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान के लिए स्पर्श हॉस्पिटल भिलाई के मेनेजिंग डायरेक्टर डॉ दीपक वर्मा का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मशहूर अभिनेता शेखर सुमन ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हाथों डॉ दीपक वर्मा का सम्मान किया। साथ ही सीएम बघेल ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वालों का भी सम्मान किया।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में स्पर्श के एमडी डॉ दीपक वर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्पर्श हॉस्पिटल की जर्नी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 9 साल पहले स्पर्श मल्टिस्पेलिटी हॉस्पिटल शुरू किया गया था। भिलाई के साथ ही राजनांदगांव, बालोद व बेमेतरा आदि क्षेत्रों का ध्यान में रखकर हॉस्पिटल की स्थापना की गई।

डॉ दीपक वर्मा ने बताया कि बीते 9 वर्षों के सफर में हॉस्पिटल ने कई मुकाम हासिल किए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अस्पताल ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। अब तक कई मरीजों का जटिल ऑपरेशन हॉस्पिटल में किया गया। उन्होंने बताया कि उचित दरों पर हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज किया जाता है। आसपास के क्षेत्रों में स्पर्श के प्रति एक विश्वास है और उस विश्वास को कायम रखने का हम पूरा प्रयास करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने आयोजको का अभार जताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनहित में नवाचार का प्रयोग करते हुए चलाए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की चर्चा अन्य राज्यों और देश में भी हो रही है। हमारा मुख्य ध्येय लोगों की आय में वृद्धि करना है। इसे ध्यान में रखकर योजनाओं का बेहतर ढंग से संचालन किया जा रहा है। इसके जरिए प्रदेश में किसान, मजदूर, युवा वर्ग और महिलाओं तथा आदिवासी आदि हर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने के लिए भरपूर अवसर मिलने लगा है।

खास खबर

नवाचार : गौठानों में वस्त्र बुनाई करेंगी समूह की महिलाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गौठानों को ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित करने के साथ ही वहां आयमूलक गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने का प्रयास शासन–प्रशासन द्वारा लगातार किया जा रहा है। गौठानों से जुड़ी समूह की महिलाएं अब वस्त्र बुनाई के क्षेत्र में भी कदम रखने जा रही हैं। इस सिलसिले में राजनांदगांव जिले के अमलीडीह गौठान में महिलाओं को इसका विधिवत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वह दिन दूर नहीं जब ये प्रशिक्षित महिलाएं गौठान में वस्त्र बुनाई को अपनी आय के नये माध्यम के रूप में अपनाएंगी। शासन के मंशानुरूप महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए यह नवाचार किया जा रहा है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के आदर्श गौठान अमलीडीह में 20 महिलाओं को वस्त्र बुनाई का 4 माह का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विशेष प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षण एवं वस्त्र बुनाई के आवश्यक मशीनरी के लिए 10 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को बुनकर सहकारी समिति में पंजीयन कराकर अपेक्स हेण्डलूम संघ में जोड़ दिया जायेगा। जिससे महिलाओं को बुनाई कार्य मिलता रहेगा। इस कार्य से प्रति बुनकर न्यूनतम 200 रूपए प्रतिदिन की आय होगी।

मुख्यमंत्री ने की छेरापहरा की रस्म से श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत

मुख्यमंत्री ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की कामना कीमुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में छेरापहरा की रस्म पूरी कर सोने की झाड़ू से बुहारी लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत की। इसके पहले मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला के अनुष्ठान में सम्मलित हुए और हवन कुण्ड की परिक्रमा कर पूजा–अर्चना की। उन्होंने श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की आरती की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली तथा प्रदेश में अच्छी बारिश की कामना की।

उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथ ओडिशा और छत्तीसगढ़ की संस्कृति से समान रूप से जुड़े हुए हैं। रथ–दूज का यह त्यौहार ओडिशा की तरह छत्तीसगढ़ की संस्कृति का भी अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ के शहरों में आज के दिन भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकालने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की संस्कृति के बीच की यह साझेदारी अटूट है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान छत्तीसगढ़ का शिवरीनारायण–तीर्थ है। यहीं से वे जगन्नाथपुरी जाकर स्थापित हुए। शिवरीनारायण में ही त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के मीठे बेरों को ग्रहण किया था। यहाँ वर्तमान में नर–नारायण का मंदिर स्थापित है। शिवरीनारायण में सतयुग से ही त्रिवेणी संगम रहा है, जहां महानदी, शिवनाथ और जोंक नदियों का मिलन होता है। छत्तीसगढ़ में भगवान राम के वनवास–काल से संबंधित स्थानों को पर्यटन–तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए शासन ने राम–वन–गमन–परिपथ के विकास की योजना बनाई है। इस योजना में शिवरीनारायण भी शामिल है। शिवरीनारायण के विकास और सौंदर्यीकरण से ओडिशा और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक साझेदारी और गहरी होगी।

छत्तीसगढ़ में भगवान जगन्नाथ से जुड़ा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र देवभोग भी है। भगवान जगन्नाथ शिवरीनारायण से पुरी जाकर स्थापित हो गए, तब भी उनके भोग के लिए चावल देवभोग से ही भेजा जाता रहा। देवभोग के नाम में ही भगवान जगन्नाथ की महिमा समाई हुई है। बस्तर का इतिहास भी भगवान जगन्नाथ से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। सन् 1408 में बस्तर के राजा पुरुषोत्तमदेव ने पुरी जाकर भगवान जगन्नाथ से आशीर्वाद प्राप्त किया था। उसी की याद में वहां रथ–यात्रा का त्यौहार गोंचा–पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस त्यौहार की प्रसिद्धि पूरे विश्व में है। उत्तर–छत्तीसगढ़ में कोरिया जिले के पोड़ी ग्राम में भी भगवान जगन्नाथ विराजमान हैं। वहां भी उनकी पूजा अर्चना की बहुत पुरानी परंपरा है।

ओड़िशा की तरह छत्तीसगढ़ में भी भगवान जगन्नाथ के प्रसाद के रूप में चना और मूंग का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि इस प्रसाद से निरोगी जीवन प्राप्त होता है। जिस तरह छत्तीसगढ़ से निकलने वाली महानदी ओडिशा और छत्तीसगढ़ दोनों को समान रूप से जीवन देती है, उसी तरह भगवान जगन्नाथ की कृपा दोनों प्रदेशों को समान रूप से मिलती रही है।

प्रभारी मंत्री लखमा ने किया लेखा प्रशिक्षण शाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने आज कलेक्टोरेट परिसर में स्थित संयुक्त जिला वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने आज कलेक्टोरेट परिसर में स्थित संयुक्त जिला कार्यालय भवन में लेखा प्रशिक्षण शाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर निगम सभापति श्रीमती कविता साहू, कोष, लेखा एवं पेंशन के संचालक नीलकंठ टीकाम, बस्तर कलेक्टर रजत बंसल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंत्री श्री कवासी लखमा ने कहा कि आजादी के बाद 75वें वर्षगांठ के अवसर पर बस्तर अंचलवासियों को एक बड़ी सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी कड़ी में बस्तर संभाग के लिपिकीय कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए यह शाला प्रारंभ की गई है। श्री लखमा ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुरानी पेंशन लागू करने के ऐतिहासिक निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ शासन की कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है।उन्होंने कहा कि पूर्व में कर्मचारियों को चार माह के इस प्रशिक्षण के लिए रायपुर और बिलासपुर जाना पड़ता था, जो कर्मचारियों के लिए काफी तकलीफदायक था। प्रशिक्षण से कार्य की गुणवत्ता बढ़ने के साथ ही गति भी बढ़ेगी।

कोष, लेखा एवं पेंशन के संचालक नीलकंठ टीकाम ने कहा कि बस्तर संभाग में लगभग डेढ़ लाख कर्मचारी पदस्थ हैं, जबकि पूरे प्रदेश में कर्मचारियों की संख्या लगभग साढ़े चार लाख है। उन्होंने बताया कि बिना लेखा प्रशिक्षण के एकाउंटेंट का कार्य नहीं कर सकता। लेखा प्रशिक्षण के पश्चात एक वेतन वृद्धि मिलने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने कहा कि यहां शासकीय के साथ ही अर्द्ध शासकीय कार्यालयों के लिपिकों को शासन के नियमानुसार कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सेंट थॉमस महाविद्यालय के 4 छात्रों का साउथ इंडियन बैंक में कैम्पस चयन

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन जॉब प्लेसमेंट में महाविद्यालय के चार छात्रों राशि श्रीवास्तव एमएससी गणित, अर्जुन अरुण बीबीए, अमीषा सिंह बीएससी गणित, एवं कोमंत गौतम बीएससी कम्प्यूटर साइंस का साउथ इंडियन बैंक में प्रोबेशनरी क्लर्क के पद पर चयन हुआ।

Rashi Shrivastava
(M. Sc Maths)

Arjun Arun (BBA)

Amisha Singh
(B.Sc. Maths)

Komant Gautam
B.Sc. Computer Science

कड़े संघर्ष में चारों छात्रों ने समूह परिचर्चा, लिखित एवं साक्षात्कार में निर्णायक बढ़त बनाते हुए अपनी जगह बनाई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. जी. रोईमोन ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके सफल करियर की कामना की।

महाविद्यालय के प्रशासक रेवरेंट फादर डॉ जोशी वर्गीस ने छात्रों को बधाई देते हुए ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग की संयोजक डॉ सुनीता क्षत्रिय के प्रयासों की सराहना की। हिस ग्रेस मैनेजर बिशप डॉ जोसेफमार डायनोशियस ने भी सफल छात्रों को अपना आशीर्वाद दिया। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई के सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी सभी चयनित छात्रों को अपनी शुभकामनायें दी।

'सियान जतन क्लीनिक' में अब तक 74 हजार 738 बुजुर्गों का उपचार

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालनालय आयुष (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी) की सभी आयुष संस्थाओ में हर गुरूवार को लगने वाले 'सियान जतन' विशेष ओपीडी में आज प्रदेश भर में 8591 बुजुर्गों का नि:शुल्क इलाज किया गया। आयुष विभाग के सहायक संचालक डॉ. विजय साहू ने बताया कि राज्य के सभी जिलों के शासकीय आयुर्वेद, होम्योपैथी औषधालय, यूनानी औषधालय, जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, आयुष पॉलीक्लीनिक, आयुष विंग, स्पेशलाइज्ड थैरेपी सेंटर, स्पेशियलिटी क्लीनिक तथा सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में संचालित सह–स्थापित आयुष केन्द्रों और आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए विशेष ओपीडी का संचालन किया जाता है। इस दौरान वृद्धावस्था से संबंधित विकारों व व्याधियों के साथ ही विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक रोगों का आयुष के माध्यम से उपचार प्रदान किया जा रहा है। इन विशेष ओपीडी में बुजुर्गों हेतु सभी तरह की चिकित्सा जांच और इलाज नि:शुल्क प्रदान किया जाता है। साथ ही मरीज़ों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिए काउंसलिंग भी की जाती है। आयुष विभाग द्वारा प्रत्येक गुरुवार को आयोजित इन सियान जतन क्लीनिकों में मई 2022 से अब तक 74 हजार 738 वृद्ध नागरिकों को नि:शुल्क आयुर्वेद उपचार उपलब्ध कराया जा चुका है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

किसान खरीफ एवं उद्यानिकी फसलों का बीमा 15 जुलाई तक करा सकेंगे

रायपुर। खरीफ फसलों को असामायिक प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली हानि एवं क्षति की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा उनकी आय को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। इस योजना के तहत किसान खरीफ फसलों का बीमा 15 जुलाई तक करा सकेंगे। योजना अंतर्गत किसानों को खरीफफसलों की बीमा के लिए कुल प्रीमियम राशि का मात्र 2 प्रतिशत देना होगा। खरीफ फसलों के अंतर्गत राज्य में धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द की फसलें अधिसूचित की गई हैं, जिनका बीमा कराया जा सकेगा। बीमा इकाई का क्षेत्र ग्राम होगा। संयुक्त संचालक फसल बीमा बीके मिश्रा ने बताया कि पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा के तहत उद्यानिकी फसलों का भी बीमा कराया जा सकेगा। जिसके लिए कृषक प्रीमियम राशि बीमित राशि का 5 प्रतिशत निर्धारित है। खरीफ सीजन के अंतर्गत उद्यानिकी की फसल टमाटर, बैगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक का बीमा कृषक 15 जुलाई तक करा सकेंगे।

'लोक सेवा केन्द्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदनों की संख्या में वृद्धि'

रायपुर। ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत स्थापित लोक सेवा केन्द्रों द्वारा विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। एक ही दिन में सोमवार 29 जून को रिकार्ड 41 हजार नागरिकों ने विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन किया और इसी दिन 11 हजार से अधिक आवेदन निराकृत किये गये। इस तरह एक दिन में रिकार्ड 52 हजार नागरिक लाभान्वित हुए है। चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी समीर विश्नोई ने बताया कि राज्य में विभिन्न विभागों की 126 से अधिक नागरिक सेवाएं समय सीमा में दी जा रही हैं। नागरिकों को जनोपयोगी सेवा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 792 लोक सेवा केन्द्र स्थापित हैं। विश्नोई ने बताया कि ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है, जिसका नम्बर +91-0771-4013758 है। इस परियोजना की समीक्षा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय में की जाती है। हेल्प लाईन नम्बर में 01 जून से 30 जून तक प्राप्त कुल 332 शिकायतों का निराकरण किया गया है। चिप्स के संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नीलेश सोनी ने बताया कि लोक सेवा केंद्र शुरु होने से अब तक 1 करोड़ 84 लाख 56 हजार से अधिक नागरिक विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित हो चुके हैं।

कोरोना के खिलाफ जंग हमने सभी के सहयोग से जीती: भूपेश बघेल

डॉक्टर को मिला है भगवान का दर्जा, इनकी मुस्कुराहट से ही आधी बीमारी दूर हो जाती है: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि कोविड संक्रमण के दौर में जिस तरह से छत्तीसगढ़ ने जंग लड़ी है वैसे शायद ही देश के किसी और राज्य में काम हुआ हो। मुख्यमंत्री ने कोविड संक्रमण में लोगों की जान बचाने के लिए जूझ रहे उन डाक्टरों को भी नमन किया जिन्होंने खुद अपनी जान गंवा दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉक्टर्स डे सम्मान समारोह में उपस्थित डॉक्टर्स और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर डॉ बिधान चंद्र राय के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का भी जिक्र किया। बघेल ने कहा राजनीति के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ बिधान चंद्र राय खुद को चिकित्सक कहलाना ही पसंद करते थे।मुख्यमंत्री ने डॉक्टर्स के बारे में कहा कि इन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है और डॉक्टर्स से बेहतर इंसानों की सेवा अन्य कोई भी नहीं कर सकता है। बघेल ने कहा कि डाक्टर अगर मरीज के सामने मुस्कुरा भर दें तो मरीज की आधी बीमारी वैसे ही ठीक हो जाती है और डाक्टर्स का व्यवहार ही मरीजों की कई बीमारियों का इलाज है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोविड संक्रमण के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 24 चिकित्सकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कोविड संक्रमण के दौरान लोगों की सेवा करने के लिए 9 सामाजिक संस्थानों को भी सम्मानित किया। इस मौके पर आईएमए की तरफ से डॉ ए आर भल्ला, डॉ ललित शाह, डॉ विनय माखीजा को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड दिया गयाकार्यक्रम की शुरूआत में आईएमए के अध्यक्ष डॉ विकास अग्रवाल ने राजकीय गमछे से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समारोह में डॉ अनिल जैन ने डॉ बिधान चंद्र राय की जीवनी के बारे में उपस्थित लोगों को बताया जबकि आभार ज्ञापन आईएमए के सचिव डॉ दिग्विजय सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईएमए के हास्पिटल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री को चिकित्सकों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए धन्यवाद दिया और साथ ही ये भी कहा कि भूपेश बघेल चिकित्सकों के सच्चे मित्र एवं सहयोगी हैं।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार द्वय विनोद वर्मा एवं प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन के संचालक डॉ. विनय जायसवाल उपस्थित थे।

गरीबों की बस्तियों में पहुंचकर डॉक्टर कर रहे हैं इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल शहरों में गरीबों की बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों का इलाज नि:शुल्क कर रहे है। गरीब लोग कई कारणों से अस्पताल तक नही पहुंच पाते थे। जिससे उनका इलाज नहीं हो पाता था। परन्तु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गरीबों की पीड़ा को समझा। गरीबों का इलाज करने उनके घर पर ही डॉक्टर पहुंचे ऐसी परिकल्पना उन्होंने की। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्लम योजना के तहत करीब 23 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों की स्लम बस्तियों में किया जा चुका है। शहरों में मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन घूम-घूम कर गरीबों का इलाज कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 23 लाख नौ हजार 52 लोगों को नि:शुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके तहत राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा 32 हजार 671 कैम्प लगाकर लोगों की नि:शुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध करायें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मिलने की सफलता को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। इस योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 4 लाख 60 हजार 488 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 18 लाख 94 हजार 421 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गई हैं। इस योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में 2 लाख 36 हजार 339 श्रमिक हैं।

शिक्षक बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर ध्यान दें- आलोक शुक्ला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने विद्यालय प्रवेश एवं शिक्षा में गुणवत्ता के लिए आयोजित वेबीनार में शिक्षा की स्थिति पर चिंतन-मनन की बात करते हुए शिक्षकों को शिक्षकीय कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को बुनियादी शिक्षा देना जरूरी, जो आगे जाकर उनको उच्च शिक्षा में सहयोग करेगा। डॉ. शुक्ला ने कहा कि बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत होना जरूरी है। वेबीनार में जिलों के शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, संकुल समन्वयक, सभी स्कूलों के प्राचार्य, प्रधान पाठक और लगभग 20 हजार शिक्षक शामिल हुए। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने शिक्षकों से आव्हान किया कि बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। प्राथमिक शिक्षा में स्कूल की स्थिति पहले की तुलना में अच्छी होने के बाद भी हम शिक्षा के स्तर को उस स्तर पर नहीं ला पा रहे हैं, जिसकी हमे अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर के लिए मॉनिटरिंग सिस्टम के तहत शतत् प्रयास किए जाएं। सिर्फ बच्चों के शिक्षण पर ध्यान दिया जाए और उनके उत्तरोत्तर प्रगति के लिए जितना संभव हो सके प्रयास करना चाहिए। डॉ. शुक्ला ने विभाग के उच्च अधिकारियों को इस संबंध में सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने मूलभूत साक्षरता और गणितीय कौशल (एफएलएन), असर और नेशनल एचीवमेंट सर्वे (एनएएस) में किए गए कार्य एवं गुणवत्ता के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में शिक्षकों से आव्हान किया कि बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए प्राथमिक शिक्षा पर भी जोर दें। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा की बुनियाद मजबूत होगी तो उन्हें आगे जाकर भाषा-गणित और अन्य किसी भी प्रकार के शिक्षण में कठिनाई नहीं आएगी।

समग्र शिक्षा के मिशन संचालक नरेन्द्र दुग्गा ने प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित नेशनल एचीवमेंट सर्वे में कक्षा 3,5,8 और 10वीं के छात्रों की राज्य में स्थिति एवं राज्य के विभिन्न जिलों में स्थिति के बारे में चर्चा की। जिसमें उन्होंने बताया कि महासमुंद, सूरजपुर और दुर्ग राज्य में क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। मिशन संचालक ने एनसीईआरटी द्वारा आयोजित नेशनल एचीवमेंट सर्वे के लिए भविष्य में राज्य में अच्छे कार्य करने के लिए टिप्स भी दिए। उन्होंने बताया कि असर सर्वे दिल्ली की संस्था द्वारा गांवों में घर-घर जाकर 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों में किया जाता है, न कि स्कूल में। जिसके आधार छत्तीसगढ़ राज्य में धमतरी जिले का प्रदर्शनी उच्चतम रहा।

युवाओं को परंपरागत पद्धति और नई तकनीक के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हुए आगे बढ़ना होगा: राज्यपाल सुश्री उइके

राज्यपाल सुश्री उइके रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में हुईं शामिल

04 विशिष्टजनों को मानद् उपाधि से किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। उन्होंने इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन, प्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजनबाई, प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. राजेश कोटेचा तथा पूर्व न्यायाधीश अशोक भूषण को मानद उपाधि से सम्मानित किया। साथ ही राज्यपाल ने 25 विद्यार्थियों को अपने संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक तथा 1 हज़ार 142 विद्यार्थियों को उपाधि और पत्रोपाधि प्रदान की। इस अवसर पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रविशंकर महाराज, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, केन्द्रीय राज्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण एवं जल शक्ति प्रह्लाद पटेल, छत्तीसगढ़ के खाद्यमंत्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं सांसद रायपुर सुनील सोनी उपस्थित थे।

राज्यपाल सुश्री उइके ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मानद उपाधि से सम्मानित विशिष्टजनों और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हम सभी के लिए गौरव की बात है कि देश के विकास में सर्वोत्कृष्ट योगदान देने वाले विद्वतजनों को सम्मान स्वरूप मानद उपाधि दी गई है। आप सभी विद्यार्थियों को इन विद्वानों का अनुसरण करना चाहिए कि जीवन में किस प्रकार परिश्रम कर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज के दौर में युवाओं को परंपरागत पद्धतियों और नई तकनीकों के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हुए आगे बढ़ना होगा।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि दीक्षांत समारोह वह स्वर्णिम अवसर है जिसका आप सभी विद्यार्थी अपने अध्ययन काल के समय से ही प्रतीक्षा कर रहे होते हैं। यही प्रतीक्षा आज परिणाम में परिणित हुई है और आपको प्राप्त हुई उपाधियों ने आपके लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। राज्यपाल ने कहा कि अब आप अपनी इच्छानुरूप सेवा का अवसर चुन सकते हैं, किन्तु आपको मानव कल्याण के उद्देश्य को सर्वोपरि रखकर कार्य करना होगा। यही उपयुक्त समय है जब आप अपने देश व समाज को कुछ लौटाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि एक बेहतर संस्थान से पढ़ाई पूरा करने के बाद आपका दायित्व है कि आप देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और राष्ट्र निर्माण में सहयोग दें। यहां से प्रशिक्षित एवं दीक्षित विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात् कर अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठा अर्जित करें और भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों का संरक्षण भी करें।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि जहां तकनीक, दुनिया को समय से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, वहीं परंपरागत शिक्षा पद्धतियां स्थायित्व पर जोर देती हैं। भारत में बौद्धिकता और अनुभव की विशाल संपदा है, युवाओं को इसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त करना ही अपना उद्देश्य न मानें, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करें और उत्कृष्ट आचार-विचार और संस्कार को अपने जीवन में आत्मसात करें। राज्यपाल ने संबोधन के अंत में दीक्षांत समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उपाधि प्राप्तकर्ताओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि आप सभी ने विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की है और अब दीक्षित होकर सामाजिक जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। आप किसी भी क्षेत्र से जुड़े हों, आपको अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभाएं और गुरूओं के सम्मान की परंपरा का सदा निर्वाह करें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण एवं जल शक्ति प्रह्लाद पटेल ने कहा कि आपने शिक्षा प्राप्त कर ली है और आज आपकी दीक्षा पूरी हुई है। सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि आज आप सभी को अपना संकल्प तय करना है। आप सभी को जीवन में कठिन व सुविधाजनक रास्ते मिलेंगे। आपको कठिन रास्ता चुनना होगा, जिससे आप तेजस्वी बनेंगे और सफल हो पाएंगे। केन्द्रीय मंत्री पटेल ने कहा कि आपका लक्ष्य जितना दूर है, आपको अपनी गति उतनी ही तेज करनी है। अवसरों से चूकना नहीं है, अवसरों के लिए सतर्क रहना है।

इस मौके पर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दीक्षित होने वाले वाले छात्र-छात्राएं एवं उनके परिजन, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

रायपुर जिले की तीन सिंचाई योजनाओं के लिए 5.59 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने रायपुर जिले के अंतर्गत तीन सिंचाई परियोजनाओं के विविध कार्यों को कराने के लिए पांच करोड़ 59 लाख 10 हजार रूपए स्वीकृत किए है। इनमें रायपुर जिले के विकासखण्ड अभनपुर की टीला एनीकट के जल प्रदाय हेतु वितरक शाखा परसदा माईनर में हेड रेगुलेटर निर्माण के लिए एक करोड़ 17 लाख 73 हजार रूपए और विकासखण्ड आरंग की बलौदाबाजार शाखा नहर के रिमॉडलिंग एवं सीसी लाईनिंग कार्य के लिए दो करोड़ 62 लाख 45 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इसी तरह से अभनपुर के कोलार नाला में स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए एक करोड़ 78 लाख 92 हजार रूपए स्वीकृत किए है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को सिंचाई योजनाओं के कार्य कराने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटरप्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचूरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House Bhilai 9826181183

क्या आपकी भी है नाखून चबाने की आदत? तुरंत छोड़ दें वरना मुंह से लेकर पेट तक की हो सकती हैं कई समस्याएं

आपने अक्सर अपने आसपास के लोगों को नाखून चबाते हुए देखा होगा, सामान्यतौर पर माना जाता है कि जब हम परेशान होते हैं तो इससे मनोवैज्ञानिक तौर पर बचाव के लिए नाखून चबाने लगते हैं। हालांकि कुछ लोगों में समय के साथ यह आदत बन जाती है। क्या आप भी इस आदत के शिकार हैं?

वैसे तो नाखून चबाने को बहुत ही सामान्य माना जाता है, पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस आदत के कई दुष्परिणामों के बारे में सचेत करते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, नाखून चबाने की आदत शरीर में कई तरह की समस्याओं का भी कारण बन सकती है।

डॉक्टर्स कहते हैं, नाखून चबाना एक बुरी आदत है जो अक्सर जीवन में तनाव या ऊब की प्रतिक्रिया के रूप में या कभी-कभी घबराहट की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू होती है। अनुमान है कि लगभग 30 प्रतिशत वयस्कों में समय के साथ नाखूनों को कुतरते रहने की आदत बन जाती है। हालांकि संभवतः हम इस बात से अनजान होते हैं कि नाखून चबाने से दांतों और मौखिक स्वास्थ्य पर कई तरह के दुष्प्रभावों का जोखिम भी हो सकता है। आइए इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मौखिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नाखून हमारे शरीर के उन हिस्सों में से एक हैं जहाँ बहुत सारे कीटाणु और बैक्टीरिया पाए जाते हैं। जब कोई मुंह में अपनी उंगली डालता है या फिर नाखूनों को चबाता है, तो इन जीवाणुओं के शरीर में प्रवेश करने का जोखिम बढ़ जाता है। ये पेट, मुंह में कई प्रकार के संक्रमण और कुछ स्थितियों में गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है। विशेषरूप से बच्चों में नाखून चबाने के कारण पेट के संक्रमण की समस्या काफी आम है।

मौखिक स्वास्थ्य पर असर

नाखून चबाने से दांतों और मसूड़ों पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इससे मसूड़ों के ऊतकों को नुकसान, दांतों और मुंह में नाखूनों में छिपे बैक्टीरिया के पहुंचने से टूथ ग्राइंडिंग जैसे समस्याएं हो सकती हैं। इस आदत को दांतों के लिए भी काफी नुकसानदायक माना जाता है। नाखूनों को चबाते रहने की आदत बैड ओरल हाइजीन का कारण बनती है जिससे मसूड़ों में संक्रमण का खतरा हो सकता है।

इन स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में भी जानिए

नाखून चबाते रहने की आदत इस तरह की समस्याओं का भी कारण बन सकती है जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता होती है।

- आपके नाखूनों के आसपास की त्वचा में संक्रमण हो सकता है।
- उन ऊतक को नुकसान पहुंचता है जो आपके नाखून बढ़ाते हैं।
- नाखूनों के बनावट में परिवर्तन आ सकता है।
- मुंह में गंदी उंगलियां डालने से जुकाम और अन्य संक्रामक बीमारियां हो सकती हैं।
- नाखून चबाने से आपके दांतों को नुकसान हो सकता है।

इन बातों का रखें ख्याल

यदि आप नाखून चबाने की आदत से परेशान हैं तो इस बारे में अपने चिकित्सक या मानसिक स्वास्थ्य प्रदाता से परामर्श लें। ये उपाय भी आपके लिए मददगार हैं।

- उन कारकों से बचें जो नाखून काटने को ट्रिगर करते हैं जैसे कि अतिउत्तेजना, घबराहट या चिंता।
- अपने नाखूनों को छोटा रखें।
- वैकल्पिक विधियों जैसे च्युइंग गम चबाने की आदत डालें।

अनुराग कश्यप ने बताया बॉलीवुड के माहौल को रिस्ट्रिक्टेडः बोले- फिल्म बनाते समय डर लगता है

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड के माहौल और डायरेक्टर्स के काम करने के तरीकों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिल्म बनाते समय डर लगता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा लोगों को हर वक्त ध्यान रखना पड़ता है कि वो किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं।

अनुराग ने बॉलीवुड के माहौल को बताया बंधा हुआ

अनुराग कहते हैं, 'मुझे बड़ी फिल्मों और लंबी कहानियां सुनाना पसंद है। मैं कई सारी चीजों पर काम करते रहता हूं, लेकिन बॉलीवुड का माहौल काफी बंधा हुआ है। यहां पर आप सिर्फ ड्रामा ही कर सकते हो।'

अनुराग ने बताई इंडस्ट्री की कहानी

अनुराग ने कहा, 'फिलहाल, हम ऐसा कुछ भी नहीं कर सकते, जो धार्मिक या पॉलिटिक्स से जुड़ा हो। यहां उनके लिए जगह नहीं है। इसलिए जगह नहीं है कि किसी ने मना किया है बल्कि इस वजह से क्योंकि सभी उसी माहौल में रह रहे हैं। तो इस पर आपको पता नहीं है कि कौन कैसे रिएक्ट करेगा?'

अनुराग ने क्रिएटर्स को दी नसीहत

अनुराग ने आगे कहा, 'इस वक्त हम काफी नाजुक मोड़ पर हैं, जहां हम आसानी से नाराज हो जाते हैं और हमारी भावनाओं को ठेस पहुंच जाती है। तो आज के समय में जो भारत में क्रिएटर्स हैं, उन्हें लंबी कहानियां बनानी चाहिए और हर बार कुछ नया करना चाहिए। लेकिन उसी के साथ हमें हमारी सीमा रेखा का भी ध्यान रखना पड़ता है।

अनुराग को 'देव डी' से मिली थी असली पहचान

अनुराग का जन्म यूपी के गोरखपुर शहर में हुआ था। उन्होंने 1998 में राम गोपाल वर्मा की क्राइम ड्रामा फिल्म 'सत्या' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें 'देव डी' से सफलता मिली। 2012 में उन्होंने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्म बना कर दर्शकों का दिल खुश कर दिया था। अनुराग की यह फिल्म सिर्फ उनके लिए ही फायदेमंद साबित नहीं हुई, बल्कि फिल्म ने कई चेहरों को नई पहचान भी दी। उन्होंने फिर 'गुलाल', 'दैट गर्ल इन येलो बूट्स', 'बॉम्बे वेलवेट', 'रमन राघव 2.0', 'मुक्केबाज' जैसी कई अन्य फिल्में बनाईं।

मोटापाग्रस्त लोगों में गंभीर रोग और मृत्यु का जोखिम अधिक, वैज्ञानिकों ने बताया बचाव का सबसे कारगर तरीका

भारत में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में एक बार फिर से संक्रमण के मामले 17 हजार से अधिक रिकॉर्ड किए गए, इस दौरान 17,070 लोगों को संक्रमित पाया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में जिस प्रकार से ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट्स के कारण संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं ऐसे में सभी लोगों को निरंतर इससे बचाव के उपाय करते रहने की आवश्यकता है। बचाव को लेकर की गई कोई भी लापरवाही आपको संक्रमित कर सकती है।

महामारी की शुरुआत से ही कोमोरबिडिटी और मोटापा से ग्रस्त लोगों में संक्रमण के गंभीर जोखिमों को लेकर अलर्ट किया जाता रहा है। आंकड़े बताते हैं कि जिन लोगों में अधिक वजन की समस्या रही है, उनमें अन्य लोगों की तुलना में गंभीर संक्रमण और आईसीयू में भर्ती होने का खतरा अधिक पाया गया है। मोटापा और कोविड-19 के जोखिमों को लेकर शोध कर रही विशेषज्ञों की टीम ने अपने हालिया अध्ययन में बड़ा दावा किया है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि वैक्सीनेशन, मोटापा ग्रस्त लोगों में संक्रमण और इसके कारण होने वाले मृत्यु के खतरे को कम करने में विशेष भूमिका निभा सकती है। आइए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

टीकाकरण की प्रभाविकता को लेकर अध्ययन

द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड के टीके, सभी प्रकार के बॉडी वेट वाले लोगों को अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से बचाते हैं। कोरोना की शुरुआत से ही अधिक वजन वाले लोगों को गंभीर विकास के प्रति अति संवेदनशील बताया जाता रहा है, लेकिन इस शोध से पता चलता है कि वैक्सीनेशन करा के ऐसे लोग भी संक्रमण की गंभीरता के जोखिम कम कर सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

इंग्लैंड में नौ मिलियन से अधिक वयस्कों पर यह अध्ययन किया गया। 8 दिसंबर, 2020 (यूके में दिए गए पहले टीके की तारीख) से 17 नवंबर, 2021 तक किए गए इस शोध में इनमें से 566,461 लोगों का टेस्ट पॉजिटिव रहा था। 32,808 अस्पताल में भर्ती थे और 14,389 की मृत्यु हो गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि हाई बीएमआई के बावजूद जिन लोगों को वैक्सीनेशन हुआ था, उनमें बिना टीकाकरण वाले लोगों की तुलना में गंभीर रोग विकसित होने का जोखिम कम पाया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह अध्ययन एक बार फिर से वैक्सीनेशन की आवश्यकताओं और इसकी प्रभाविकता को साबित करता है।

सभी बॉडी वेट वालों पर असरदार है वैक्सीन

यूके ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में नफिल्ड विभाग के प्रमुख और अध्ययन के लेखक डॉ कारमेन पियरनास कहते हैं, अध्ययन के निष्कर्ष इस बात का सबूत देते हैं कि कोविड-19 टीके सभी तरह की बॉडी वेट वाले लोगों की जान बचाने में कारगर हो सकते हैं। मोटापा, कोरोना संक्रमण की गंभीरता के प्रमुख कारणों में से एक मानी जाती रही है, हालांकि अध्ययन से पता चलत है कि टीकाकरण ऐसे लोगों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने में काफी सहायक हो सकती है।

अध्ययन का निष्कर्ष?

अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने पाया कि टीकाकरण सभी बॉडी वेट वाले लोगों को कोविड संक्रमण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि अंडर वेट वाले लोगों में इसका प्रभाव थोड़ा कम देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहना कि स्वस्थ और हाई बीएमआई समूहों में जिन लोगों को वैक्सीनेशन हो चुका है उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना लगभग 70 प्रतिशत कम पाई गई है। दूसरी खुराक के दो सप्ताह कोरोना से मृत्यु का जोखिम भी लगभग दो-तिहाई कम देखा गया है।

फलों का इस तरह से सेवन पाचन को पहुंचाता है गंभीर नुकसान, कहीं आप भी तो नहीं करते हैं ये गलतियां?

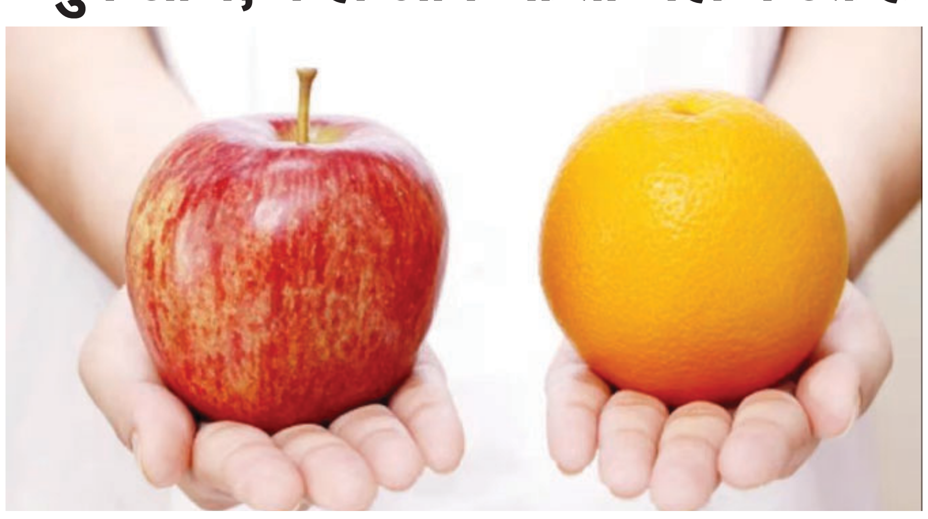

शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी लोगों को नियमित रूप से स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती रही है। इसके लिए भोजन में हरी सब्जियों और मौसमी फलों को शामिल करना बहुत आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इनसे शरीर के लिए आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। विशेषकर फलों में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जिनका सेवन करना आपको गंभीर रोगों के जोखिम से बचा सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि फलों और सब्जियों का कुछ स्थितियों में सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है, विशेषकर अगर आप अलग-अलग प्रकृति के फलों का सेवन साथ में करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फलों और सब्जियों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इनके सेवन के सही तरीके के बारे में जान लेना सभी लोगों के लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। कुछ फलों को एक साथ नहीं खाना चाहिए, इससे कई तरह की समस्याओं का जोखिम हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सभी लोगों को यह जानना बहुत जरूरी है कि किन फलों का संयोजन शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है? आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

फलों-सब्जियों का एक साथ सेवन न करें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर बोलचाल की भाषा में फलों-सब्जियों के सेवन की बात की जाती रही है, हालांकि इनका साथ में सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। फलों में मौजूद शुगर की मात्रा सब्जियों की पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इससे न तो सब्जियों का ठीक तरीके से पाचन हो पाता है न ही शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त हो पाते हैं। हमेशा फलों और सब्जियों के सेवन के बीच में कुछ समय का अंतर जरूर रखें।

तरबूज के साथ न खाएं कोई और फल

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, तरबूज-खरबूजे के साथ किसी और फल के सेवन से बचना चाहिए। इन फलों में पानी की अधिकता होती है, इसलिए इनके साथ किसी दूसरे फल का सेवन करने से उनका पाचन प्रभावित हो सकता है। तरबूज-खरबूज अन्य फलों की तुलना में अधिक तेजी से पचते हैं। फलों से अधिकतम लाभ तभी प्राप्त किया जा सकता है जब उनका पाचन सही तरीके से हो।

स्टार्चयुक्त फलों के साथ न करें प्रोटीनयुक्त फलों का सेवन

केला जैसे फल प्रकृति में स्टार्चयुक्त होते हैं, इनका सेवन अमरूद, सूखे खुबानी, कीवीफ्रूट, एवोकैडो और ब्लैकबेरी जैसे प्रोटीन युक्त फलों के साथ नहीं किया जाना चाहिए। शरीर को प्रोटीन को पचाने के लिए एक अम्लीय आधार और स्टार्च और स्टार्च के लिए क्षारीय तत्वों की आवश्यकता होती है, इनका संयोजन पेट से संबंधित कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। हमेशा फलों के संयोजन को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

लाइगर से सामने आया विजय देवरकोंडा का हैरान कर देने वाला लुक

फिल्म 'लाइगर' से विजय देवरकोंडा का हैरान कर देने वाला लुक सामने आ गया है। जी हां, अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए अपने किरदार की एक झलक दिखाई है। बता दें कि इस फिल्म में विजय देवरकोंडा के अलावा अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिका में हैं। एक तरफ जहां विजय इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अनन्या पांडे भी 'लाइगर' से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं।

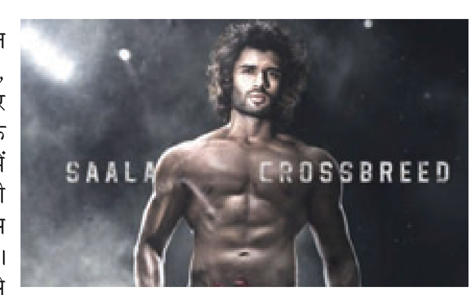

विजय द्वारा साझा किए गए इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तलका मचा दिया है। अभिनेता इस तस्वीर में बिना कपड़ो के पोज देते नजर आ रहे हैं। विजय ने इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को संक्षेप में साझा किया। विजय लिखते हैं, एक फिल्म जिसने मेरा सब कुछ ले लिया। मानसिक और शारीरिक रूप से यह मेरी सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका रही है। मैंने इसके लिए अपना सब कुछ दे दिया है! जल्द ही आ रहा है।

यह फिल्म पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शन तले करण जौहर द्वारा निर्मित है। ये एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। विजय और अनन्या के अलावा, फिल्म में राम्या कृष्णा, रोनित रॉय, अली, मकरंद देशपांडे और विष्णु रेड्डी भी मुख्य भूमिका में हैं। बता दें कि लाइगर 25 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

लाइगर में जहां विजय देवरकोंडा को एक मार्शल आर्ट फाइटर के रूप में दिखाया गया है तो वहीं दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन इस फिल्म में उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में दिखाई देंगे। इसलिए यह फिल्म काफी चर्चा में है। तेलुगू सिनेमा में अनन्या पांडे और माइक टायसन की यह पहली फिल्म है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XIth XIIth B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए आई एंड ए जोन के अधिकारी एवं कर्मचारी

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आई एंड ए जोन विभाग में दिनांक 29 जून, 2022 को कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह आई एंड ए जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक, इंस्ट्रूमेंटेषन (ऑपरेषन), विजेन्द्र कुमार चैधरी, प्रबंधक, इंस्ट्रूमेंटेषन (ऑपरेषन) सुषील कुमार पाटिल को पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कर्म शिरोमणि पुरस्कार से वरिष्ठ तकनीशियन, इंस्ट्रूमेंटेषन (ऑपरेशन), मोहम्मद एजाज कुरैषी तथा वरिष्ठ तकनीशियन, इंस्ट्रूमेंटेषन (ऑपरेशन) अरूण कुमार चैबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (आई एंड ए), असित साहा, महाप्रबंधक प्रभारी, संत कुमार केषकर, महाप्रबंधक (इनकॉस) एस के बोस एवं महाप्रबंधक बी मधु पिल्लई उपस्थित रहे।

केबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने पुलिस जांच नाका का किया शुभारंभ

कवर्धा। थाना रेंगाखार पुलिस को थाना क्षेत्राअंतर्गत अंतर्राज्यीय समावर्ती मार्ग से अवैध परिवहन की घुसपैठी पर रोक लगाने व अपराध पर अंकुश लगाने वरिष्ठ कार्यालयों के निर्देशों के परिपालन में अंतर्राज्जीय सीमावर्ती मार्ग में पुलिस जाँच नाका का प्रारंभ किया गया। जिसमें रेगाखार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरेण्डा निहारा जो कि सीमावर्ती राज्य मध्यप्रदेश के जिला बालाघाट के सीमा को जोड़ती है, जिस पर मुख्य अतिथि रहे केबिनेट मंत्री माननीय मोहम्मद अकबर (छत्तीसगढ के परिवहन, आवास एवं पर्यावारण वन ,खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के द्वारा शुभारम्भ किया गया, जिसमें जिले के पुलिस कप्तान डॉ . लाल उमेद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मति मनीषा ठाकुर रावटे, उपस्थित में जिले के सीमावर्ती सरहदी थाना रेंगाखार के ग्राम बरेण्डा निराहा में पुलिस जांच नाका का शुभारंभ किया गया।

डीडी किसान चैनल के कृषि भवन स्थित स्टूडियो का केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

नई दिल्ली (पीआईबी)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रयासों से कृषि भवन, नई दिल्ली में डीडी-किसान के स्टूडियो की स्थापना संपन्न हुई है। इसका शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे व श्री कैलाश चौधरी के साथ किया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि कृषि मंत्रालय का बहुत व्यापक क्षेत्र है और देश में किसानों की बड़ी संख्या है, जिन तक डीडी न्यूज व डीडी किसान चैनल के माध्यम से अपनी बात आसानी से पहुंचाई जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गत 8 वर्षों में किसानों के जीवन में बदलाव आया है और किसानी के क्षेत्र में भी आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में किसान टेक्नालाजी से जुड़े, वर्तमान परिवेश को पहचानें, महंगी फसलों की ओर जाएं व मुनाफे की खेती करें, इस दृष्टि से सरकार व किसानों के बीच ये चैनल एक सेतु का काम करता है, उन्होंने कहा। श्री तोमर ने कहा कि इस स्टूडियो की स्थापना से मंत्रालय की गतिविधियों, कार्यक्रमों व मिशन की अद्यतन जानकारी त्वरित गति से किसानों और अन्य हितधारकों तक पहुंचेगी।

उन्होंने कृषि भवन में स्टूडियो खोलने के लिए दूरदर्शन व डीडी-किसान को धन्यवाद दिया। किसानों के समावेशी विकास के लिए एक नई पहल के रूप में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 26 मई 2015 को किसानों के लिए डीडी किसान चैनल शुरू किया, जिसका उद्देश्य देश में कृषि और ग्रामीण समुदाय की सेवा करना तथा उन्हें शिक्षित कर समग्र विकास का वातावरण बनाने की दिशा में काम करना है। डीडी किसान के कुछ प्रमुख आंतरिक कार्यक्रम हैं- चौपाल चर्चा, किसान समाचार, गांव किसान, मंडी खबर, मौसम खबर, हैलो किसान लाइव (एक घंटे का फोन-इन लाइव), विचार-विमर्श (एक घंटे की पैनल चर्चा), छत पर बागवानी, गुलदस्ता-उत्तर पूर्वी राज्यों से, स्वस्थ किसान (एक घंटे का फोन-इन लाइव, पैनल डिस्कशन) पहली किरण (पूर्वोत्तर शोकेस), कृषि दर्शन (मुख्य कृषि), सरकार आपके साथ, बढ़ते भारत का नया किसान, अपना पशु चिकत्सक, कृषि विशेष।

साथ ही, सरकार के प्रमुख ऐतिहासिक निर्णयों पर किसानों को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए प्रासंगिक कार्यक्रम एवं पैनल चर्चा नियमित रूप से तैयार की गई है। पर्यावरण, कौशल विकास, क्षेत्र आधारित कार्यक्रमों के विषयों पर कुछ नए कार्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने फसल बीमा सप्ताह का किया शुभारंभ

किसानों को फसल बीमा दावा राशि का भुगतान करने में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फसल बीमा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवानाकृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने आज प्रदेश- व्यापी फसल बीमा जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की। रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त एवं गरिमामय में कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रथ ग्रामीण अंचल में 15 जुलाई तक भ्रमण कर किसानों को फसल बीमा के प्रावधानों की जानकारी और फसल बीमा कराने के लिए प्रेरित करेगें ।

देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में फसल बीमा सप्ताह के तहत आज राज्य के सभी जिला मुख्यालयों से भी प्रचार-प्रसार रथ रवाना किए गए, जो 15 जुलाई तक पूरे राज्य में भ्रमण कर किसानों को फसल बीमा कराने के लिए जागरूक करेंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसान धान सिंचित एवं असिंचित ,अरहर, मूंग, उड़द, मक्का एवं उद्यानिकी फसलों का बीमा 15 जुलाई तक करा सकेंगे।

कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने इस अवसर पर कहा कि राज्य में खेती-किसानी को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाना छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है । मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों एवं योजनाओं को देश भर में सराहा जा रहा है। छत्तीसगढ़ की पहचान कृषि मॉडल राज्य के रूप में होने लगी है। मंत्री श्री चौबे ने कहा कि किसानों को मदद पहुंचाने उन्हें उनका हक दिलाने के मामले में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है।छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने अपने किसानों को सबसे पहले रबी सीजन 2021-22 की फसल बीमा दावा राशि का भुगतान किया है। खरीफ सीजन शुरू होने से पहले ही हमने डेढ़ लाख से ज्यादा किसानों को उनके द्वारा दी गई प्रीमियम राशि मात्र 15 करोड़ 96 लाख रुपए के एवज में 304 करोड़ 38 लाख रुपए के क्लेम राशि का भुगतान किया है। खरीफसीजन 2021में राज्य के 4 लाख से अधिक किसानों द्वारा दी गयी किसान प्रीमियम राशि 157 करोड़ 65 लाख रुपए के एवज में 758 करोड़ 43लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल बीमा प्रीमियम की मात्र डेढ़ प्रतिशत राशि अदा करनी होती है ,जबकि मौसम आधारित उद्यानिकी फसलों के बीमा प्रीमियम राशि में किसानों को मात्र 5 प्रतिशत अंशदान करना होता है ।

शेष प्रीमियम राशि का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है।इस अवसर पर संचालक कृषि श्री यशवंत कुमार, संचालक उद्यानिकी श्री माथेश्वरन वी., संयुक्त संचालक (फसल बीमा) श्री बी.के.मिश्रा एवं संचालक उद्यानिकी श्री भूपेंद्र पांडे,जी.के.पीड़िहा सहित बीमा कंपनियों के अधिकारी उपस्थित थे।

साईंस कालेज में बायो रिसोर्स सेन्टर का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग का आयुक्त, उच्चषिक्षा विभाग छ.ग. शासन द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा नवनिर्मित बायोरिसोर्स सेन्टर का उद्घाटन किया एवं महाविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में आयुक्त के अतिरिक्त डॉ. जी.ए. धनष्याम, विषेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, राज्य स्तरीय गुणवत्ता प्रकोष्ठ भी उपस्थित रहें।

बायोरिसोर्स सेन्टर के उद्घाटन के पश्चात् निरीक्षण कार्यक्रम में औपचारिक स्वागत समारोह के पश्चात् महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने आयुक्त के आगमन को महाविद्यालय के महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनका यह भ्रमण महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने एनआईआरएफ में महाविद्यालय द्वारा प्रतिभागिता में आने वाली अड़चनों के बारे में आयुक्त महोदया को जानकारी दी साथ ही उनसे निवेदन किया कि वे इस परेषानी को दूर करने में सहायता करें, जिससे छ.ग. से किसी महाविद्यालय की प्रतिभागिता एनआईआरएफमें सुनिष्चित की जा सके। डॉ. जी.ए. धनष्याम, विषेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, राज्य स्तरीय गुणवत्ता प्रकोष्ठ ने अपने उद्बोधन में संपूर्ण महाविद्यालय विषेष रूप से महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ की भूरी-भूरी प्रषंसा करते हुए कहा कि महाविद्यालय के प्रत्येक कार्य में यहां के प्राध्यापकों की मेहनत, लगन, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से झलकता है। और यही कारण है कि महाविद्यालय प्रदेष का एकमात्र ए प्लस ग्रेड का महाविद्यालय है। उन्होंने यहां की सतत् उन्नति को देखते हुए कहा कि आने वाले समय में महाविद्यालय निःसंदेह उत्तरोत्तर वृध्दि करेगा तथा सफलता के नये आयामों को छूयेगा।

आयुक्त महोदया ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की प्रषंसा करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय राज्य का एकमात्र महाविद्यालय है, जहां हर कार्य में यहां के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबध्दता झलकती है। उन्होंने यह भी आष्वासन दिया कि आने वाले समय में एनआईआरएफ की आवष्यकता को देखते हुए महाविद्यालय के सेटअप में परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने वर्तमान सत्र से नयी षिक्षा नीति के अंतर्गत दूरस्थ षिक्षा के संचालन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेष का एकमात्र ए प्लस ग्रेड का महाविद्यालय होने के कारण इस महाविद्यालय का चयन दूरस्थ षिक्षा के लिए किया गया है।

'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभः वन मंत्री अकबर ने हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वच्छ वातावरण तथा वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री छत्तीसगढ़ में स्वच्छ वातावरण तथा वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज 'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने इसका शुभारंभ राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में विविध प्रजातियों के पौधों से भरे दो हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। वन विभाग द्वारा विशेष पहल करते हुए 'पौधा तुंहर द्वार' योजना के तहत घर तक निःशुल्क पौधा पहुंचाकर दिया जा रहा है।

इस दौरान वन विभाग रायपुर द्वारा बताया गया कि पौधा तुंहर द्वार योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र रायपुर में 1 से 5 पौधा प्रदाय किया जाएगा। इसमें इच्छुक व्यक्ति, जो पौधों का रोपण करना चाहते हैं, तो वे घर पहुंच पौधा प्रदाय हेतु वितरण प्रभारी को 7587011614 पर व्हाट्सअप के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक जे.एस.म्हस्के, मुख्य वन संरक्षक रायपुर जे.आर. नायक तथा वन मण्डाधिकारी रायपुर विश्वेष झा सहित विभागीय अधिकारी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गौरतलब है कि राज्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए वन विभाग की समस्त 257 नर्सरियों में 3 करोड़ 12 लाख से अधिक पौधे वर्तमान में उपलब्ध हैं। आज 01 जुलाई को वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी वन मण्डलों में चालू वर्ष के दौरान पौध वितरण का शुभारंभ किया गया। इस तारतम्य में वन मंडल बस्तर अंतर्गत उद्योग एवं आबकारी मंत्री श्री कवासी लखमा, वन मंडल रायगढ़ अंतर्गत विधायक रायगढ़ श्री प्रकाश नायक तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार पटेल और दुर्ग में विधायक श्री अरूण बोरा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शामिनी यादव एवं महापौर दुर्ग धीरज बाकलीवाल द्वारा निःशुल्क पौध वितरण का शुभारंभ किया गया। इसी तरह दंतेवाड़ा वन मंडल अंतर्गत विधायक श्रीमती देवती कर्मा, सुकमा वन मंडल अंतर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरीश कवासी और बीजापुर वन मंडल अंतर्गत जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शंकर कुडियम द्वारा निःशुल्क पौध वितरण का शुभारंभ किया गया।

एम जे कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने मेरिट में बनाया स्थान, महाविद्यालय का नाम किया रौशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एमजे कालेज ऑफ नर्सिंग की तीन छात्राओं ने 3ह्स्र 4द्दड्डह् मेरिट में अपना स्थान बनाया है। इनमें टुम्पा राणा ने 494, मुक्तलता रक्षित तथा रामेश्वरी ने 482 अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रौशन किया है। महाविद्यालय की निदेशक डॉ श्रीलेखा विरुलकर, प्राचार्य डैनियल तमिल सेलवन, उप प्राचार्य सिजी थॉमस सहित सभी फैकल्टी मेम्बर्स ने इन छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

सिजी थॉमस ने बताया कि ये छात्राएं महाविद्यालय में अपने आरंभिक दिनों से ही न केवल सभी कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान देती हैं बल्कि कोई भी जिम्मेदारी लेने में हमेशा आगे रहती हैं।

बेहद अनुशासित जीवन जीने वाली ये सभी छात्राएं खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महाविद्यालय में समय समय पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भी अव्वल रहती हैं।

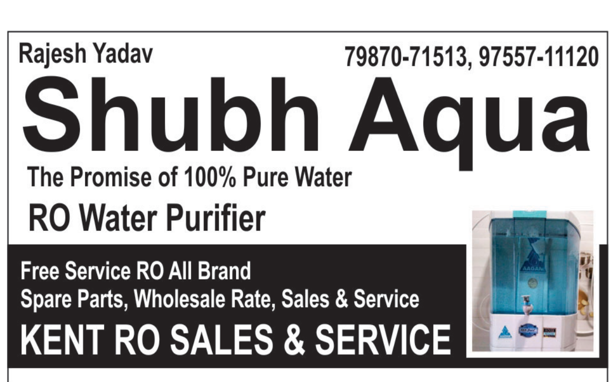

खास-खबर

प्रेमी के साथ रहने बोलकर घर से निकली दुष्कर्म पीड़िता, पटरी पर टुकड़ों में मिला शव

बिलासपुर (ए)। प्रेमी के साथ रहने की बात स्वजन को बोलकर घर से निकली दुष्कर्म पीड़िता का शव रेलवे पटरी पर कई टुकड़ों में मिला है। मृतका अपहरण और दुष्कर्म पीड़िता थी। बेलगहना पुलिस चौकी मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट व जांच के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी। शुक्रवार को दोपहर दो बजे बेलगहना पुलिस चौकी को सूचना मिली कि ग्राम मांझीपारा स्थित रेलवे ट्रैक पर किसी का शव कई टुकड़ों में पड़ा है। सूचना पर पुलिस की टीम जांच करने के लिए घटना स्थल पहुंची। शव के तीन टुकड़े हो गए थे। पास ही एक बैग मिला है। पुलिस ने आसपास मृतका के स्वजन की तलाश की। मृतका की पहचान क्षेत्र में रहने वाली 16 वर्षीय युवकी के रूप में की गई। स्वजन ने पुलिस को बताया कि वह स्कूल में पढ़ाई करती थी। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे अपने बैग लेकर घर से निकल रही थी। स्वजन के पूछने पर उसने प्रेमी के पास जाने और अब उसी के साथ रहने की बात की। इस बीच किशोरी के साथ क्या हुआ, इसके बारे में जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि तीन माह पहले किशोरी ने अपने प्रेमी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखाई थी। मामले में पाक्सो एक्ट व दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को अस्पताल भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट से मौत के कारण का पता चलेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्वजन ने किशोरी की हत्या करने का आरोप लगाया है। इससे पहले भी उसके साथ अपहरण व दुष्कर्म हुआ था। इसी रंजिश के चलते उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। उनका कहना है कि वह आत्महत्या नहीं कर सकती। दोपहर को वह अपने प्रेमी के पास जाने की बात बोलकर निकली थी। इस मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

शराब पीने को पैसे नहीं देने पर मजदूर को चाकू मारने वाला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। आजाद चौक इलाके में बुधवार शाम को शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने से नाराज होकर मजदूर संतोष पटेल को चाकू मारकर घायल करने वाले बजरंग नगर के शुभम साहू (20) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक महासमुंद जिले के तेंदुकोना इलाके के ग्राम चैकबेडा संतोष पटेल मजदूरी की तलाश में रायपुर आया था। 27 जून की शाम को अपने साथी राम प्रसाद चक्रधारी के साथ मजदूरी करने तिरुपति जाने के लिए रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा, लेकिन ट्रेन रद हो जाने से रात में वहीं रुक गया। बुधवार शाम को साथी के साथ शिवनगर गया था। इसी दौरान वहां आरके बैटरी दुकान के पास शुभम साहू ने काम दिलाने का झांसा देकर शराब पीने के लिए पैसा मांगा। संतोष ने पैसा न होने की बात कही तो गुस्से में आकर उसने चाकू से लगातार वार कर उसे घायल कर दिया।

पुरानी बस्ती के दो मकानों में चोरी का आरोपित हत्थे चढ़ा

पुरानी बस्ती इलाके के कुशालपुर में दो मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देने का आरोपित नरेश साहू उर्फ चांदी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। नरेश ने दुर्ग जिले के सुपेला, भिलाईनगर में चोरी की तीन दर्जन से अधिक वारदात को अंजाम दिया है। यह एक शातिर चोर बताया गया है। पिछले दिनों ही दुर्ग जेल से रिहा होने के बाद वह चोरी करने में जुट गया। पुरानी बस्ती में घूमकर वह नए मकान की तलाश कर रहा था, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से सोने, चांदी के जेवर, मोबाइल समेत 1.80 लाख रुपये का सामान मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। मूलतः ओडिशा के शिंदेकला जिला टिटलागढ़ निवासी नरेश साहू (29) ने कुशालपुर निवासी रश्मि ध्रुव के घर 30 मार्च की रात चाकू की नोक पर धमकाते हुए चोरी की थी। इसी तरह रवि पदुमवार के घर में आठ मार्च को धावा बोलकर जेवर, मोबाइल आदि उड़ाकर फरार हो गया था। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आरोपित के फुटेज पुलिस के हाथ लगा था। इसके आधार पर नरेश की पहचान की गई। वह भिलाई में रहकर रायपुर में चोरी की घटना को अंजाम देकर निकल जाता था।

महिला की रॉड से पीट पीटकर हत्या

रायपुर भागने से पहले गिरफ्तार, बोला-मुझे बेवजह बदनाम करती थी, इसलिए मार डाला

बेमेतरा (ए)। बेमेतरा में एक युवक ने घर में घुसकर पड़ोसी महिला की हत्या कर दी। आरोपी ने लोहे की रॉड से पीट-पीटकर उसे मार दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और नाकाबंदी की। अगले दिन पुलिस ने आरोपी को रायपुर भागते हुए गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने पर आरोपी ने कहा कि उसके पड़ोसी बदनाम करते थे। उसके खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे थे। इसलिए महिला को मार दिया। मामला बेरला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम सिंवार निवासी राम प्यारी सिन्हा (50) पत्नी घनश्याम सिन्हा गुरुवार को घर में अकेली थी। इसी दौरान उसी गांव का रहने वाला मनोज साहू (26) उनके घर में घुस आया। आते ही उसने लोहे की रॉड से राम प्यारी सिन्हा के सिर और चेहरे पर हमला कर दिया। इसके बाद वहां से भाग निकला। आसपास के लोगों ने मनोज को घर से भागते देखा तो मौके पर पहुंचे। वहां राम प्यारी लहूलुहान हालत में पड़ी थी। इस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उसे 108 एंबुलेंस से अस्पताल भेजा।

चेकिंग के दौरान पकड़ा गया आरोपी

बेरला अस्पताल में उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो चला कि आरोपी मनोज गांव से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। तभी शुक्रवार शाम को मनोज के बाइक से रायपुर-दुर्ग की ओर भागने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने चेकपोस्ट पर अलर्ट किया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी को ग्राम सोंढ की मेन रोड पर पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में उसने महिला की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है।

पड़ोसी झूठा आरोप लगाकर बदनाम करते थे

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि राम प्यारी के घर वाले उसके घर के सामने रहते हैं। पिछले कुछ समय से वाद-विवाद मनमुटाव चल रहा है। आरोपी को महिला के घर वालों ने पहले लड़की के नाम पर बदनाम किया, फिर चोरी का भी झूठा आरोप लगाया। पुलिस में शिकायत भी की। इसी गुस्से में वह गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे महिला के घर पहुंचा और निगरानी करने लगा। महिला के पति को काम पर जाते देख अंदर घुसा और हमला कर दिया। इसके बाद रॉड घर में छिपाकर भाग रहा था। पुलिस ने रॉड बरामद कर ली है।

पार्लर से देर से लौटी पत्नी तो काट दिया गला, 13 साल की बेटी के सामने की हत्या

कांकेर (ए)। कांकेर में शुक्रवार को एक युवक ने 13 साल की बेटी के सामने ही अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। महिला की गलती सिर्फ इतनी थी कि वह पार्लर से देर से लौटती थी। आरोपी पति ने टंगिया से महिला पर तीन वार किए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ एकत्र होती देख आरोपी ने थाने जाने का झांसा दिया और भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामला पंखाजूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, चांदीपुर गांव जीवानंद टिकेदार (45) ने लतिका टिकेदार (35) के साथ दूसरी शादी की थी। लतिका भी यह दूसरी शादी थी। पहले पति से उसकी 13 साल की एक बेटी है, जो साथ ही में रहती है। बताया जा रहा है कि पत्नी के पार्लर जाने और काफी देर से आने को ले कर दोनों के बीच विवाद था। इसके बाद महिला ने मजदूरी भी शुरू कर दी थी। इसे लेकर जीवानंद अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और उसे मना किया करता। इसके बाद भी लतिका अड़ी हुई थी।

इसी बात को लेकर सुबह करीब 6 बजे से ही पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। धीरे-धीरे विवाद इतना बढ़ गया कि जीवानंद ने लतिका को जान से मार देने की बात कही। इस पर उसकी 13 साल की सौतेली बेटी ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। यह देखकर जीवानंद भड़क गया। उसने बेटी से मोबाइल छीना और जमीन पर पटक कर तोड़ डाला। इस बीच लतिका किचन में खाना बनाने चली गई। आरोप है कि तभी जीवानंद टंगिया लेकर पहुंचा और लतिका की पीठ पर वार कर दिया। पीठ पर टंगिया के वार से लतिका लहूलुहान हो गई, लेकिन उसने अपनी बेटी को वहां से भाग जाने के लिए कहा। बेटी वहां से भागी तो जीवानंद ने लतिका के गले पर दो वार कर दिए, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटी ने आसपास के लोगों को घटना के बारे में बताया। इस पर लोग घर के बाहर जुटने लगे। यह देखकर जीवानंद बाहर निकला और थाने जाकर सरेंडर करने की बात कहता हुआ वहां से भाग निकला। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें बनाई हैं। हालांकि अभी उसका पता नहीं चल सका है।

लूट नहीं सके तो ड्राइवर को मार डाला

ट्रक लेकर भाग रहे थे, रास्ते में चाकू से उसका गला रेता, झारखंड के 3 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले में 24 जून की रात को हुई ड्राइवर की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। तीन लोगों ने मिलकर उसका चाकू से गला रेत दिया था। जिसके चलते उसका जान गई थी। तीनों ने मिलकर उसका ट्रक लूटना चाहा था। वह गाड़ी लेकर भाग भी रहे थे। मगर रास्ते में ड्राइवर की नींद खुल गई। इसके बाद तीनों ने उसे मार दिया। वहीं ट्रक का डीजल भी खत्म हो गया। जिसके कारण तीनों ड्राइवर को मारने के बाद भाग गए थे। अब पुलिस ने तीनों को पकड़ा है। तीनों झारखंड के रहने वाले हैं। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, तिलगा घाट में 24 जून की रात को एक अधेड़ उम्र के शख्स का शव मिला था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। तब शव की पहचान संतोष कुमार दुबे(55) के रूप में हुई थी। वह बिहार का रहने वाला था। वो यहां रायगढ़ में ट्रांसपोर्टर महेश शर्मा की ट्रक चलाता था। इस मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। महेश शर्मा ने बताया था कि उसकी गाड़ी इन दिनों आयरन गोली लोड कर एक कंपनी से दूसरे कंपनी में भेजना का काम कर रही थी। इस केस में पुलिस ने संतोष कुमार के पहचान वाले लोग और कई और ड्राइवर से पूछताछ की थी। पूछताछ में पुलिस एक व्यापारी तक भी पहुंची थी। उसी व्यापारी ने पुलिस को बताया था कि कुछ समय पहले उसके पास 3 शख्स आए थे। जो आयरन गोली बेचने की बात कर रहे थे। मगर मैंने उन्हें मना कर दिया था। बाद में वे वहां से निकल गए थे।

ये पता चलने के बाद पुलिस ने मामले में जांच और तेज की। जिस ट्रक के ड्राइवर का शव मिला था। उसमें भी आयरन गोली ही लोड थी। इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर खुर्शीद आलम(32), मो. नदीम अंसारी(25) और सद्दाम(29) को हिरासत में लिया था। तीनों को उस दिन तिलगा घाट के आस-पास भी देखा गया ता। इन्हीं ने व्यापारी से भी आयरन गोली बेचने की बात की थी। पूछताछ में तीनों ने बताया कि हमें पैसों की जरूरत थी। इसलिए हमने आयरन गोली लूटने का प्लान बनाया था। हमारा मकसद था कि ट्रक लूटकर अच्छे पैसे कमा लेंगे।

चिकित्सालय में गुंडागर्दी करने वाले पिता पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

कोरबा (ए)। रानी धनराज कुंवर देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (धर्म अस्पताल) कोरबा में घुसकर मारपीट करने व स्वास्थ्य कर्मियों को डराने धमकाने वाले तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गुरुवार को कोतवाली से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित रानी धनराज देवी स्वास्थ्य केंद्र में दो गुटों में लाठी, डंडा से मारपीट व गाली गलौज की गई। बीच बचाव करने पर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों को भी बदमाशों ने डराते धमकाते हुए गाली गलौच किया। इतना ही नहीं बीएमओ डा दीपक राज को मारने के लि दौडाया था। घटना की रिपोर्ट बीएमओ डा राज द्वारा लिखित में कोतवाली पुलिस के समक्ष कराते कहा था कि 30 जून सुबह लगभग 7:30 बजे लक्ष्मी नारायण यादव उर्फ मुन्नाा यादव 51 वर्ष, अजय यादव 22 वर्ष तथा सफीक खान 32 वर्ष तीनों निवासी पुरानी बस्ती कोरबा चिकित्सालय के अंदर पहुंचकर गुंडागर्दी करते हुए पूरे चिकित्सालय स्टाफके साथ अभद्र व्यवहार गाली गलौज करते हुए एक दूसरे के साथ मारपीट की। उन्हें भी गालियां और अपशब्दों के साथ मारने के लिए दौड़ाए। मामले में पुलिस ने धारा 294, 506, 323, 186, 353, 34, 3 छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवक तथा चिकित्सा सेवा संस्थान अधिनियम 2010 का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

बिलासपुर के दो युवकों को ट्रक ने लिया चपेट में, एक की मौत

पाली (ए)। निर्माणाधीन फोरलेन नेशनल हाइवे मार्ग में तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक की स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई उपरांत शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक जब्त कर थाना में खड़ा कर दिया। घटना पाली थाना अंतर्गत मुनगाडीह नेशनल हाइवे बैरियर के पास गुरुवार शाम की है। बिलासपुर के चिंगराजपारा निवासी राजेंद्र राजपूत 17 वर्ष अपने मित्र हिमांशु साहू के साथ कोरबा जिले के सतरेंगा पर्यटन स्थल में घूमने आया था।

Authorised For :
SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/स.वि./2022/2314/167   भिलाई, दिनांक 30/06/2022

//फ्री होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना//

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ–8–1/2018/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.10.2018 द्वारा नगरीय निकाय तथा पूर्व विघटित विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वंय के आधिपत्य के 30 वर्षीय लीज होल्ड पर आबंटित/व्यवस्थापित आवासीय भूखंड/भवन को फ्री होल्ड के रूप संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखंडधारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से **30 दिवस के भीतर** अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

क0	पट्टाधारी का नाम पति/पिता का नाम	योजना का नाम	ब्लाक क0 भूखंड क0	आकार
01	श्रीमति निधि द्विवेदी पिता श्री कृष्णकांत द्विवेदी	मो0ने0न0 पश्चिम आवासीय योजना	25/10	216 व0मी0
02	श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता आ0 श्री अर्जुन गुप्ता	आजाद चौक रामनगर आवासीय योजना	ब्लॉक 349	488.49 व0मी0
03	डॉ0 रीटा चाबा पति श्री डॉ0 राकेश चाबा	मो0ने0न0 पूर्व आवासीय योजना	24/05	216 वर्गमीटर
04	1. श्री के0 महेश राव आ0 स्व0 के0 कोटेश्वर राव 2. मुरली राव आ0 स्व0 के0 कोटेश्वर राव	मो0ने0न0 हुडको भवन आवासीय योजना	63/2	162 वर्गमीटर
05	श्री श्याम लाल साहू आ0 स्व0 मोहन लाल साहू	मो0ने0न0 पश्चिम आवासीय योजना	44बी/06	29.70 वर्गफुट
06	श्री नवीन भाई सेलट आ0 स्व0 ज्ञान प्रकाश सेलट	राधिका नगर आवासीय योजना	6/16	135 वर्गमीटर
07	श्री सुनील कुमार मिश्रा आ0 स्व0 आर0 मिश्रा	मो0ने0न0 पश्चिम आवासीय योजना	29/07	216 वर्गमीटर
08	श्री अरूण कुमार भंडारे आ0 श्री शंकर राव भंडारे	राधिका नगर आवासीय योजना	13/2	78.75 व0मी0
09	श्रीमति रेखा बंसल पति स्व0 विजय कुमार बंसल	मो0ने0न0 पूर्व आवासीय योजना	74/06	360 व0मी0
10	श्रीमति निधि गोयल पति श्री मोनू गोयल	मो0ने0न0 पूर्व आवासीय योजना	49/02	216 व0मी0
11	श्रीमति सविन्दर कौर पति स्व0 भगत सिंह	प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम आवासीय योजनां	14/3	330 व0मी0
12	श्री दीदार सिंह पिता स्व0 राम सिंह	न्यू खुर्सीपार आवासीय योजना	सर्वे क्र 125	83.64 व0मी0 37.17 व0मी0
13	श्रीमति पूनम चन्द्र बघेल पिता श्री शोभा राम	राधिका नगर आवासीय योजना	21/04	135 व0मी0
14	श्रीमति शोभा पोरवाल श्री दानमल पोरवाल	मो0ने0न0 प0 आवासीय योजना	16/06	216 वर्गमीटर
15	श्री सत्यनारायण संधी आ0 स्व0 गोपीलाल संधी	मो0ने0न0 प0 आवासीय योजना	65/04	135 व0मी0
16	श्री राजेन्द्र कुमार सोनी आ0 श्री लखन लाल सोनी	मो0ने0न0 पूर्व आवासीय योजना	79/05	1500 व0फु0

उपायुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

विधायक देवेंद्र ने सहपरिवार महाप्रभु जगन्नाथ की पूजा कर भिलाई वासियों के सुख शांति समृद्धि की प्रार्थना की

आगामी वर्ष से रथ यात्रा में निगम समिति के साथ मिलकर करेगा आयोजन विधायक और मेयर ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा का महापर्व धूमधाम से मनाया गया हजारों की संख्या में भक्तों भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए उपस्थित रहे वही जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा आयोजित भव्य महा पर्व के आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए।

विधायक और महापौर ने किया सहपरिवार दर्शन

भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाइवासियो सहित पूरे प्रदेश वासियों को आज के पावन अवसर महापर्व जगन्नाथ रथयात्रा की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ से सभी नागरिकों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की है। विधायक देवेन्द्र भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा कार्यक्रम में प परिवार सहित शामिल हुए शामिल हुए। महापौर और विधायक ने सहपरिवार शंख बजाकर और विधिवत पूजा अर्चना कर महाप्रभु जगन्नाथ चरणों मे पुष्प अर्पित कर हाथ जोड़ कर भिलाइवासियो सहित पूरे प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। और महाप्रसाद का वितरण किया। साथ ही आगामी वर्ष से निगम द्वारा समिति के साथ मिलकर आयोजन करने की घोषणा की ।।

जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर चार में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा महोत्सव मनाया गया। जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु का नेत्र उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया जो परंम्परा अनुसार किया गया।

देव स्नान पूर्णिमा के पश्चात लंबी बीमारी के बाद आज महाप्रभु जगन्नाथ जी के मंदिर के पट खोले गये। नेत्र उत्सव के पारम्परिक पूजा अर्चना हवन-पूजन के पश्चात् मंगलध्वनि व घंटावादन के साथ श्रद्धालुओं ने प्रभु का प्रथम दर्शन किया।

श्रद्धालुओं ने महाप्रभु के नवयौवन रूप का दर्शन किया। इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। भारी भीड़ के मध्य सम्पन्न नेत्र उत्सव के पशचात् महाप्रभु मौसी के घर जाने के लिये तैयार हुये। महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा सेक्टर-4,सड़क-15 में स्थित जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर सेंट्रल ऐवेन्यु होते हुये सेक्टर-10 में निर्मित गुण्डिचा मंडप में पंहुची। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे सैकड़ों भक्त भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा में रथ खींचने उत्साहित रहे। रथ खींच कर सब ने अपने आप को भक्ति में लीन कर लिया। विधायक श्री यादव ने भी रथ खींचा ।

जय हनुमान सेवा वाहिनी ने महाप्रसाद का वितरण किया

जय हनुमान सेवा वाहिनी ने आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर भक्तों की सेवा की।शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर जगह-जगह पर पंडाल लगाकर रथ यात्रा में शामिल हुए भक्तों को खिचड़ी और शरबत का वितरण किया। जय हनुमान सेवा वाहिनी लगातार शहर में धार्मिक आयोजन करते रहती है आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा महा पर्व धूमधाम से मनाई गई। भगवान जगन्नाथ के रथ खिंचने के लिए सड़कों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

रथ यात्रा में शामिल होकर विधायक देवेंद्र ने भी रथ खींचा

देवेंद्र यादव ने कहा है कि प्राचीन काल से ही छत्तीसगढ़वासियों की भगवान जगन्नाथ में गहरी आस्था रही है। यहां हर साल भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के साथ रथयात्रा निकाली जाती रही है। विधायक श्री यादव ने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ के धाम पुरी सहित संपूर्ण भारत में एक साथ निकलने वाली यह रथयात्रा सांस्कृतिक एकता तथा सौहार्द का प्रतीक है।

जन्मदिन पर कॉलेज और स्कूल स्टाफ के साथ रोपे पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ग़ालिब मेमोरियलय एजूकेशन सोसायटी के अध्यक्ष एवं छग वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय के चेयरमेन मो. ताहिर खान ने अपने जन्मदिन 1 जुलाई को अपोलो ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट के डायरेक्टर एवं छ.ग वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय के संचालक मंडल के सदस्य आशीष अग्रवाल एवं संजय अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती पूनम पटेल के विशेष आतिथ्य में गालिब मेमोरियल स्कूल और छग वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय के पूरे स्टाफके साथ में स्कूल और कॉलेज कैम्पस में वृक्षारोपण किया।

इस दौरान मो. ताहिर खान ने कहा कि आज मानव अपने सुविधा के लिए लगातार पेड़ों को काटते जा रहा है और कांक्रीट का शहर बसाते जा रहा है, जिसके कारण आज प्रदूषण बढते जा रहा है और पर्यावरण खतरा में पड़ता जा रहा है। हमें जिस मात्रा में शुद्ध ऑक्सजीन मिलना चाहिए नही मिल पा रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण है कोरोनाकाल में लोगों को

पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नही मिल पाने से लाखों लोगों की मौत हो गई। मो. ताहिर खान ने आगे कहा कि मैं आज अपने इस स्कूल और महाविद्यालय के छात्रों और प्राध्यापकों तथा शिक्षकों से आव्हान करता हूं कि आप सभी भी अपने अपने जन्मदिन और किसी भी यादगार वाले अवसर पर एक पेड़ लगाये और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भी महती भूमिका निभाये। इस दौरान अपोलो ग्रुप ऑफइंस्टीटयूट के डायरेक्टर एवं छ.ग वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय के संचालक मंडल के सदस्य आशीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल और श्रीमती पूनम पटेल ने भी संबोधित करते हुए वृक्षारोपण और पर्यावरण के महत्व को बताया।

सिंगल यूज प्लास्टिक से बने 19 आइटम पर क्षेत्र में पूर्ण रूप से पाबंदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक को बनाने आयात, निर्यात और बिक्री पर पूरी तरीके से पाबंदी लगा दी गई है। भिलाई शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक से बने 19 प्रकार के आइटम की पूरी तरीके से पाबंदी होने के बाद आज निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर टीम ने कई स्थानों पर छापे मार करवाई की, आज निगम प्रशासन ने 22 स्थानों पर कार्यवाही करते हुए 1200 रुपए जुर्माना तथा 5 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त करने की कार्रवाई की।

1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक के कई सारे प्रोडक्ट पर पाबंदी लगने के बाद से नगर पालिक निगम भिलाई सतर्क हो गया था और इस पर कार्रवाई करने से पूर्व व्यापारियों, व्यवसायियों, दुकानदारों, विक्रेताओं एवं क्रेताओ को सूचना दी जा रही थी। निगम की

टीम ने आज औचक निरीक्षण किया और कई दुकानों में दबिश देकर प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर जुर्माना लगाया। सिंगल यूज प्लास्टिक इस प्रकार के प्लास्टिक है कि इसे एक बार उपयोग करने के बाद इसे दोबारा उपयोग में लाया नहीं जा सकता, इसे केवल एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर इस्तेमाल कर फेंक देते हैं। न हीं इसे आसानी से नष्ट किया जा सकता है, इससे पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। महापौर नीरज पाल ने भी स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई की परिकल्पना को साकार करने सिंगल यूज प्लास्टिक का शहरवासियों से बहिष्कार करने की अपील की है। आज की कार्यवाही में अंजनी सिंह, अनिल खरे आदि शामिल रहे। शहर में इन प्लास्टिक पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध प्लास्टिक स्टिक युक्त इयरबड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की डांडिया, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम की डंडीया, थर्माकोल की सजावटी सामग्री, प्लास्टिक के प्लेट, कप, गिलास, काटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे जैसे कटलरी मिठाई के डिब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट का पैकेट, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर, स्टायरस इसके साथ ही प्लास्टिक कैरी बैग, अल्प-जीवन पीवीसी एवं क्लोरीन युक्त प्लास्टिक अर्थात विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार सामग्री जैसे पीवीसी के बैनर फ्लेक्स, होर्डिंग, फोमबोर्ड का विनिर्माण, भंडारण, आयात, विक्रय, परिवहन एवं उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा उदयपुर में कन्हैयालाल की निर्मम हत्या के विरोध में निकाली गई मौन मार्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा आज राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल की निर्मम हत्या के विरोध में मौन मार्च निकाली गई। तत्पश्चात पुलिस प्रशासन को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की गई। ज्ञात हो कि 28 जून को राजस्थान के उदयपुर में रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद द्वारा तालिबानी तर्ज पर कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी।

समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 जून को उदयपुर में दोषियों रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद द्वारा जिस घटना को अंजाम दिया गया उससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ गया है।

इस घटना से एक ओर लोगों में बहुत आक्रोश है तो दूसरी तरफ भय का वातावरण निर्मित करने का प्रयास ऐसे जिहादी सोच के

लोगो द्वारा किया जा रहा है। श्री पाण्डेय ने बताया कि तालिबान की तर्ज पर अंजाम दिये गये इस घटना के विरोध में आज श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा मौन मार्च निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया गया, साथ ही कन्हैयालाल को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। उन्होंने बताया कि समिति सम्बन्धित राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार से आपके द्वारा मांग करती है, कि रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद को फांसी की सजा जल्द से जल्द दी जानी चाहिए।

मौन मार्च के दौरान समिति के प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, विष्णु पाठक, रिंकू साहू, अरूण सिंह, दिलीप केशरवानी, मुकेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सन्नी पाण्डेय, गजेंद्र यादव, आकाश ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में श्रीराम जन्मोत्सव समिति के सदस्य एवं आमजन शामिल थे।

महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों के साथ लिया जायजा...

बैकुंठ धाम का सर्व समाज मांगलिक भवन एवं सी-मार्ट का होगा शीघ्र शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत बैकुंठ धाम में नवनिर्मित सर्व समाज मांगलिक भवन एवं पावर हाउस के पास निर्मित सी-मार्ट की सुविधा का लाभ शीघ्र भिलाई वासियों को मिलेगा। महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों के साथ दोनों स्थानों का निरीक्षण कर जायजा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मदर टैरेसा नगर क्षेत्र अंतर्गत बैकुंठ धाम के समीप लगभग तीन करोड़ की लागत से सर्व समाज मांगलिक भवन तैयार किया गया है तथा पावर हाउस के समीप सी-मार्ट का निर्माण किया गया है। जिसकी सुविधा का लाभ इसके शुभारंभ होने के साथ ही भिलाई के नागरिकों को मिलने लगेगा। इन दोनों ही भवन के

लोकार्पण की तैयारियां की जा रही है।

विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल के प्रयासों से सर्व समाज मांगलिक भवन एवं सी-मार्ट का निर्माण किया गया है। धार्मिक, सामाजिक, वैवाहिक जैसे आयोजनों के लिए एक बड़े स्थान की आवश्यकता थी जहां पर आसानी से कमजोर वर्ग आय के लोग भी अपने कार्यक्रम को कर पाए। सर्व समाज मांगलिक भवन भूतल एवं प्रथम तल पर निर्माण किया गया है वही आकर्षक लैंडस्कैपिंग एवं पार्किंग जैसी सुविधाएं डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन में मौजूद है। एक बड़े मैरिज पैलेस की तरह सर्व समाज मांगलिक भवन विभिन्न आयोजनों को संपन्न करने के लिए तैयार है। वहीं पावर हाउस चौक के समीप सी-मार्ट का निर्माण किया गया है, महिलाओं द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों को एक बेहतर प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए इसकी परिकल्पना की गई थी, जिसके तहत एक बड़े बिग शॉप मॉल की तरह इसे तैयार किया गया है जहां हर तरह के बेहतरीन प्रोडक्ट्स विक्रय के लिए मौजूद होंगे, जहां एक ओर महिलाओं को रोजगार की प्राप्ति होगी वहीं आम नागरिकों को घरेलू एवं अच्छे उत्पादों को प्राप्त करने का लाभ मिलेगा।

जल्द ही भिलाई शहर वासियों को इन दोनों का लाभ मिलने वाला है इसके लिए व्यापक तैयारियां निगम प्रशासन द्वारा की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त येशा लहरें एवं अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, महापौर के निज सचिव वसीम खान एवं उप अभियंता कृष्णा जंघेल आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950